संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

# घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 297 रविवार 31 अगस्त 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन

### मारा गया समंदर चाचा

**श्रीनगर,30 अगस्त 2025 (ए)।** जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की। एनकाउंटर में बागू खान उर्फ समंदर चाचा मारा गया है, जिसे आतंकियों की दुनिया में ह्यूमन जीपीएस कहा जाता था। सूत्रों के मुताबिक, समंदर चाचा के साथ एक और पाकिस्तानी घुसपैठिया भी ढेर हुआ है। बागू खान उर्फ समंदर चाचा 1995 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रह रहा था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वो पिछले तीन दशकों से गुरेज सेक्टर और आसपास के इलाकों से 100 से ज्यादा घुसपैठी प्रयासों को अंजाम दिलाने में शामिल रहा,जिनमें से ज्यादातर सफल रहे। इलाके के कठिन पहाड़ी और गुप्त रास्तों की गहरी जानकारी उसे आतंकी संगठनों के लिए बेहद खास बनाती थी। हालांकि, वो हिजबुल कमांडर था, लेकिन समंदर चाचा सिर्फ एक आतंकी संगठन तक सीमित नहीं था। उसने लगभग हर आतंकी संगठन को घुसपैठ की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की। इसी वजह से आतंकी उसे ह्यूमन जीपीएस कहकर बुलाते थे। सूत्रों ने बताया कि 28 अगस्त की रात जब वो नौशेरा नार इलाके से एक और घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उसे घेर लिया। मुठभेड़ में समंदर चाचा और उसके साथ मौजूद एक और आतंकी मारा गया। अगले दिन यानी 29 अगस्त की सुबह तक इलाके में गोलीबारी और तलाशी अभियान जारी रहा। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, समंदर चाचा की मौत आतंकी संगठनों के लॉजिस्टिक नेटवर्क को करारा झटका है। उसके मारे जाने से घुसपैठ की कई संभावित योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। समंदर चाचा वर्षों तक सुरक्षा बलों की पकड़ से बचता रहा है।

## महुआ मोइत्रा के विवादित बयान पर बवाल

## अमित शाह को लेकर की टिप्पणी पर दर्ज हुई एफआईआर

**नई दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** तृणमूल कांग्रेस की फायरब्रांड सांसद महुआ मोइत्रा एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार मामला गृह मंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसके चलते उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बीजेपी ने इसे नफरत फैलाने वाला और हिंसा को बढ़ावा देने वाला बयान बताया है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महुआ मोइत्रा से बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ पर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने सीधे-सीधे गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा-अगर गृह मंत्री अमित शाह भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं कर सकते, तो उनका सिर कलम करके मेज पर रख देना चाहिए। महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमित शाह की है, लेकिन वह इसमें बुरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सीमाओं पर रोजाना घुसपैठ हो रही है–कभी जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की, कभी पंजाब में ड्रोन और नशा तस्करों की, और बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ की घटनाएं सामने आ रही हैं।

## उप्र सरकार ने रक्षा विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने के लिए 12,500 एकड़ भूमि आवंटित की : योगी आदित्यनाथ

**नई दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि देश में स्थापित किये जा रहे दो रक्षा औद्योगिक गलियारों में से एक उत्तर प्रदेश में विकसित किया जा रहा है और राज्य सरकार ने इसमें रक्षा विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए 12,500 एकड़ भूमि आवंटित की है। मुख्यमंत्री ने नोएडा के सेक्टर 80 में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड के रक्षा उपकरण और इंजन परीक्षण केंद्र के उद्घाटन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में गलियारे को अलीगढ़, कानपुर, आगरा और चित्रकूट समेत छह जिलों में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण केंद्र को लखनऊ में स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद दिया और कहा कि इस मिसाइल प्रणाली ने ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''भारत 1947 से ही चुनौतियों का सामना कर रहा है और इन चुनौतियों का स्वरूप निरंतर बदलता जा रहा है। अगर आपके पास शक्ति है, तो दुनिया आपके सामने झुकती है। यह प्राचीन अवधारणा आज भी प्रासंगिक है।'' योगी ने भारत के पारंपरिक ज्ञान का हवाला देते हुए कहा, ''शस्त्र और शास्त्र के बीच संतुलन होना चाहिए। एक राष्ट्र इस संतुलन से ही शक्तिशाली बनता है, और शक्तिशाली बनने के बाद ही कोई शांति की अपील कर सकता है।'' उन्होंने शक्ति और साहस के महत्व को रेखांकित करने के लिए महाराणा प्रताप की उक्ति, 'वीर भोग्या वसुंधरा' (वीरों को पृथ्वी विरासत में मिलती है) का भी उल्लेख किया।

## संसद में लगेंगे पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए परिसर में संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा

**नई दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्रा के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है। इन तीन रथों के एक-एक पहिए दिल्ली भेजे जाएंगे। उन्हें संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा।

# पीएम मोदी 7 साल बाद चीन पहुंचे

## जिनपिंग-पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे

**बीजिंग,30 अगस्त 2025 (ए)।** प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद शनिवार को एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच गए हैं। वे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में भारत दौरे के प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी। पीएम मोदी की यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर 50% तो चीन पर 30% टैरिफ लगाया है। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे।

**मोदी का चीन दौरा खास क्यों है :** पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और द्विपक्षीय बातचीत को बढ़ावा देने का एक बड़ा मौका साबित हो सकती है।जिनपिंग इस समिट के जरिए दुनिया को यह दिखाने की कोशिश करेंगे वे अमेरिका के लीडरशिप वाले ग्लोबल ऑर्डर का एक विकल्प दे सकते हैं। इसके साथ ही इस समिट से यह मैसेज भी जाएगा कि चीन, रूस, ईरान और अब भारत को अलग-थलग करने की अमेरिकी कोशिशें नाकाम रही हैं।जून 2025 में किंगदाओ में हुई एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया था, क्योंकि उसमें 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं था। अब एससीओ नेताओं के शिखर सम्मेलन में इसका जिक्र किया जा सकता है। साथ ही आतंकवाद के मुद्दे पर भारत सदस्य देशों का समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा। गौरतलब हो कि पाकिस्तान भी एससीओ का सदस्य है।

### भारतीय प्रवासियों ने वंदे मातरम के नारे लगाए

प्रधानमंत्री के तियानजिन के एक होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय प्रवासियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। वहीं चीनी कलाकारों ने पीएम मोदी के सामने भारतीय शास्त्रीय संगीत और डांस का प्रदर्शन किया। ये कलाकार कई सालों से भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य सीख रहे हैं।

### पिछले महीने जयशंकर ने चीन का दौरा किया

पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

## बांके बिहारी मंदिर में वीआईपी लोगों ने कुर्सी पर बैठकर किए दर्शन,कोर्ट ने जारी किया नोटिस

**मथुरा,30 अगस्त 2025 (ए)।** वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में सावन मास के दौरान वीआईपी लोगों द्वारा कुर्सी पर बैठकर दर्शन करने और हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी का मामला तूल पकड़ गया है। आरोप है कि कुछ वीआईपी व्यक्तियों ने मंदिर के जगमोहन में ठाकुर जी के सिंहासन के समक्ष कुर्सी पर बैठकर दर्शन किए, उनके साथ हथियारबंद सुरक्षाकर्मी मौजूद थे, और वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। इस घटना को मंदिर की मर्यादा और कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन मानते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा और वकील दीपक शर्मा ने मथुरा की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) अदालत में संयुक्त याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई 29 अगस्त को मथुरा की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) अदालत में हुई। अदालत ने इस गंभीर मामले को लेकर मंदिर प्रबंधन, मथुरा के जिलाधिकारी, और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

## ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान पर 50 से कम हथियार दागे

### एयर मार्शल बोले...इतने में ही PAK घबरा गया,सीजफायर के लिए कहने लगा...

**नई दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद वायुसेना उप प्रमुख ने नया खुलासा किया है। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान को युद्धविराम की मेज पर लाने के लिए भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियार दागे। एनडीटीवी डिफेंस समिट में बोलते हुए एयर मार्शल ने कहा कि मौजूदा ऑप्शन की लिस्ट में हमारे पास बड़ी संख्या में टारगेट थे। आखिरकार हम 9 तक पहुंचे। हमारे लिए मुख्य बात यह थी कि 50 से भी कम हथियारों के साथ हम सीजफायर हासिल करने में सफल हुए। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करना बहुत आसान है, लेकिन उसे खत्म करना उतना आसान नहीं है और यह एक महत्वपूर्ण बात थी, जिसे ध्यान में रखना जरूरी था,ताकि हमारी सेनाएं सक्रिय रहें, तैनात रहें और किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहें। दरअसल, सेना ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान स्थित 9 आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से सीजफायर की गुहार लगाई थी।

### तीनों सेनाओं को मिले थे ये निर्देश

उन्होंने बताया कि नई दिल्ली से मिले निर्देश तीन मुख्य बातों पर केंद्रित थे। पहला, दुश्मन के खिलाफ हर कार्रवाई सख्त और दंडात्मक होनी चाहिए। दूसरा,ऐसा संदेश दिया जाए जिससे भविष्य में हमले करने की हिम्मत न हो। तीसरा, सशस्त्र बलों को पूरी परिचालन स्वतंत्रता दी जाए और साथ ही इस बात की तैयारी भी रहे कि कहीं संघर्ष पारंपरिक युद्ध का रूप न ले ले।

## स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली का परीक्षण सुदर्शन चक्र मिशन को साकार करने की दिशा में पहला कदम है : राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के आतंकवाद, महामारियों और क्षेत्रीय संघर्षों के युग में, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल एक विकल्प नहीं है, बल्कि अस्तित्व और प्रगति के लिए एक अनिवार्य स्थिति है। यह संरक्षणवाद के बारे में नहीं है,बल्कि संप्रभुता और राष्ट्रीय स्वायत्तता के बारे में है। सिंह ने 30 अगस्त, को नई दिल्ली में 21वीं सदी में युद्ध विषय पर एक रक्षा सम्मेलन में अपने संबोधन में इस बात का उल्लेख किया कि यह सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब भारत के सशस्त्र बलों ने कुछ महीने पहले ही ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से वीरता का प्रदर्शन किया था, जबकि इसी दौरान संघर्ष, व्यापार युद्ध और अस्थिरता वैश्विक परिदृश्य को आकार दे रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि कई विकसित देश संरक्षणवादी उपायों का सहारा ले रहे हैं, जिससे व्यापार और आयात शुल्क क्षेत्र की स्थितियाँ लगातार गंभीर होती जा रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अलगाव समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, यह संरक्षणवाद नहीं है। यह संप्रभुता का मामला है। जब युवा, ऊर्जा, तकनीक और संभावनाओं से भरपूर कोई देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता है, तो दुनिया रुककर इस पर ध्यान देती है। यही वह ताकत है जो भारत को वैश्विक दबावों का सामना करने तथा और मज़बूती से उभरने में सक्षम बनाती है। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की बढ़ती स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उपकरणों का उपयोग कर सशस्त्र बलों द्वारा अपने लक्ष्यों पर किए गए सटीक हमलों ने यह प्रदर्शित किया है कि दूरदर्शिता,दीर्घकालिक तैयारी और समन्वय के बिना कोई भी मिशन सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भले ही कुछ दिनों के युद्ध,भारत की जीत और पाकिस्तान की हार की कहानी प्रतीत हो, लेकिन इसके पीछे वर्षों की रणनीतिक योजना और रक्षा तैयारियों की एक लंबी भूमिका रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय सेनाओं ने वर्षों की कड़ी मेहनत और स्वदेशी उपकरणों पर निर्भरता के माध्यम से इस ऑपरेशन को प्रभावी और निर्णायक रूप से अंजाम दिया।

## जम्मू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड,7 शव बरामद

**पठानकोट/देहरादून/प्रयागराज/दिल्ली,30 अगस्त 2025 (ए)।** जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है।

वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं।

# मराठी मुंबई में प्रदर्शन नहीं करेंगे तो क्या सूरत-गुवाहाटी जाएंगे ?

- मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटिल आजाद मैदान में हैं डटे हुए...
- महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने खेल दिया है बड़ा दांव ...

**मुंबई,30 अगस्त 2025 (ए)।** मराठा क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल मुंबई के आजाद मैदान में ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे है। मुंबई में गणेशोत्सव के बीच सड़कों पर ट्रैफिक की समस्या को लेकर प्रदर्शनकारियों की आलोचना पर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे भड़के गए हैं। शनिवार को उन्होंने कहा कि मराठी लोग अपने अधिकारों को लेकर मुंबई में प्रदर्शन नहीं करेंगे तो क्या वे सूरत और गुवाहाटी जाएंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार ने प्रदर्शकारियों को बुनियादी सुविधाएं देने के विफल रही। ठाकरे ने शिवसैनिकों से अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े हों और उनकी मदद करें। गौरतलब हो कि मुंबई पुलिस ने मनोज जरांगे पाटिल को आजाद मैदान प्रदर्शन करने की अनुमति को एक दिन और बढ़ा दिया है।

### यही हमारा महाराष्ट्र धर्म है...

उद्धव ठाकरे ने मनोज जरांगे पाटिल की मांगों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के कोने-कोने से, हमारे मराठी भाई हजारों की संख्या में मुंबई में एकत्रित हुए हैं। वे बारिश,पानी और कीचड़ का सामना कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि वे अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफल रही है। ऐसे समय में मैं सभी शिवसैनिकों से अपील करता हूं कि वे एकजुट हों और इन भाइयों और बहनों को पानी, भोजन और शौचालय की सुविधा प्रदान करने के लिए अथक प्रयास करें। यही हमारा महाराष्ट्र धर्म है। तो वहीं दूसरी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के चीफ राज ठाकरे ने कहा है कि मराठा मोर्चा और आरक्षण से जुड़े सभी सवालों का जवाब सिर्फ एकनाथ शिंदे ही दे सकते हैं। एकनाथ शिंदे से पूछिए कि मनोज जरांगे वापस क्यों आए। जब एकनाथ शिंदे आएं, तो उनसे पूछिए कि मुंबईकरों को कितनी तकलीफ हो रही है। एकनाथ शिंदे पिछली बार नवी मुंबई गए थे, उन्होंने उस समय समस्या का समाधान किया था, फिर वे वापस क्यों आए? इन सभी सवालों का जवाब एकनाथ शिंदे देंगे।

### शाह के साथ चर्चा,क्या बोले जरांगे के सहयोगी ?

मनोज जरांगे पाटिल अन्य पिछले वर्ग कोर्ट से आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। जरांगे की इस मांग पर ओबीसी संगठनों की त्योरियां चढ़ गई हैं। शनिवार को एक तरफ जहां राज्य सरकार और जरांगे के बीच बातचीत फेल रही। तो वहीं दूसरी तरफ यह मुद्दा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने भी उठा। मराठाओं के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बातचीत की। जरांगे ऐसे वक्त पर मुंबई पहुंचे हैं जब देश की आर्थिक राजधानी में गणेशोत्सव की धूम है। सूत्रों का कहना है कि मनोज जरांगे पाटिल की मुख्य मांग पर सरकार विचार कर रही है,तो वहीं मराठा आंदोलन के मुख्य संयोजक चंद्रकांत भराट ने कहा है कि हमने कभी भी 10 फीसदी आरक्षण नहीं मांगा। हमें हमारी जनसंख्या के आधार आरक्षण मिलना चाहिए। भराट ने कहा कि मराठों की आबादी 35 फीसदी है। ऐसे में कुनबी कोटे से आरक्षण मिले।

# संपादकीय

## सरकारी फैसले से किसान नाराज

ये प्रकरण बताता है कि किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का परिणाम है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझा हित होते हैं।अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में मुख्य अड़चन डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की कृषि एवं डेयरी संबंधी क्षेत्र को अमेरिकी निर्यात के लिए पूरी तरह खोलने की मांग से आई। नरेंद्र मोदी सरकार का दावा है कि उसने किसानों के हित पर समझौता करने से इनकार कर दिया। मगर उसका खामियाजा कारखाना क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर भारी आयात शुल्क थोप दिया,जिससे निर्यात निर्भर उद्योगों के सामने बड़ी मुश्किल आ पड़ी है। मतलब यह कि नव-उदारवादी दौर में भारत ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्विरोध बढ़ता चला गया है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग है।अमेरिकी बाजार में आई रुकावट के दुष्प्रभाव से राहत पाने के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने सरकार से कपास पर आयात शुल्क को हटाने की मांग की। सरकार ने तुरंत ये मांग मान ली। 11 फीसदी का आयात शुल्क समाप्त कर दिया गया। 19 अगस्त से लागू इस फैसले का तुरंत असर हुआ। दो दिन के भीतर ही कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कपास के दाम में 1,100 रुपये प्रति कैंडी की कटौती कर दी। इस कारण वस्त्र उद्योग की लागत काफी कम हो जाएगी और वह अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ती दर पर निर्यात कर सकेगा।मगर इस सरकारी फैसले से किसान नाराज हो गए हैं। उनके संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इस कदम को कपास किसानों के लिए मौत की गारंटी बताया है। उसने पूछा है कि किसानों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताने का प्रधानमंत्री का दावा अब कहां गया? एसकेएम ने इस कदम खिलाफ कपास पैदावार वाले क्षेत्रों में आंदोलन छेडऩे का एलान किया है। ये प्रकरण बताता है कि भारत में किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का सूचक है।

# बिहार में शून्य के पहाड़ पर समाजवादी पार्टी...

**ललित गर्ग**
पटपड़गंज,दिल्ली-92

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अच्छी खासी हनक और धमक रखने वाले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की पड़ोसी राज्य बिहार की राजनीति में एक प्रकार की उदासीनता नजर आती है। यह दल,जो उत्तर प्रदेश में अपनी मजबूत जड़ें जमाए हुए है, बिहार में हमेशा से ही शून्य के पहाड़ पर खड़ा नजर आता है। यहां इसकी सफलता का इतिहास लगभग शून्य रहा है। मुलायम सिंह यादव द्वारा स्थापित यह दल बिहार की विधान सभा में कभी भी कोई बड़ा प्रभाव नहीं डाल पाया। फिर भी, हाल के वर्षों में अखिलेश यादव के नेतृत्व में दल ने नई दिशा अपनाई है। अब, महागठबंधन के साथ जुड़कर अखिलेश बिहार में नई उम्मीदें जगा रहे हैं। बिहार की विधान सभा निर्वाचनों में समाजवादी दल का प्रदर्शन देखें तो यह स्पष्ट होता है कि यहां इसकी स्थिति हमेशा कमजोर रही। सन 1995 के विधान सभा निर्वाचन में दल ने दो स्थानों पर विजय प्राप्त की थी। उस समय बिहार की राजनीति में विभिन्न दलों का उभार हो रहा था,और समाजवादी दल ने यादव समुदाय के कुछ मतों पर कब्जा किया। लेकिन मत प्रतिशत की बात करें तो यह बहुत कम था, लगभग एक से दो प्रतिशत के बीच। उस निर्वाचन में कुल मतों का एक छोटा हिस्सा ही दल को मिला, जो इसकी सीमित पहुंच को दर्शाता है। फिर सन 2000 आया, जहां दल को कोई स्थान नहीं मिला। शून्य सीटों के साथ यह निर्वाचन दल के लिए निराशाजनक रहा। मत प्रतिशत में भी कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई,और दल बिहार की मुख्य धारा से दूर होता गया।

सन 2005 में दो बार निर्वाचन हुए। फरवरी में हुए निर्वाचन में समाजवादी दल ने चार स्थानों पर सफलता प्राप्त की। यह दल के लिए एक छोटी जीत थी,क्योंकि उस समय बिहार में राजनीतिक अस्थिरता थी, और विभिन्न गठजोड़ बन रहे थे। मत प्रतिशत लगभग दो प्रतिशत के आसपास रहा, जो पिछले निर्वाचनों से थोड़ा बेहतर था। लेकिन अक्टूबर में दोबारा हुए निर्वाचन में दल की सीटें घटकर दो रह गईं। फिर भी, यह दिखाता है कि दल ने यादव बहुल क्षेत्रों में कुछ प्रभाव बनाया था। लेकिन उसके बाद का इतिहास और भी निराशाजनक है। सन 2010 के विधान सभा निर्वाचन में दल को कोई स्थान नहीं मिला। मत प्रतिशत गिरकर एक प्रतिशत से भी कम हो गया। दल ने कई स्थानों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन मतदाताओं का समर्थन नहीं मिला। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (संयुक्त) जैसे दलों ने यादव मतों पर मजबूत पकड़ बना ली,जिससे समाजवादी दल हाशिए पर चला गया।सन 2015 के निर्वाचन में दल ने पचासी स्थानों पर उम्मीदवार उतारे,लेकिन फिर शून्य पर आकर रुक गया। मत प्रतिशत लगभग एक प्रतिशत रहा। दल ने महागठबंधन से अलग होकर लड़ने का फैसला किया, जो गलत साबित हुआ। सन 2020 में तो दल ने निर्वाचन नहीं लड़ा, बल्कि राष्ट्रीय जनता दल को समर्थन दिया। परिणामस्वरूप, कोई सीट नहीं जीती गई, और मत प्रतिशत की गणना भी नहीं हुई। कुल मिलाकर, 1995 से 2020 तक दल ने कुल आठ से दस सीटें ही जीतीं,और मत प्रतिशत कभी तीन प्रतिशत से ऊपर नहीं गया। यह शून्य का पहाड़ ही है, जहां दल बार-बार चढ़ने की कोशिश करता है, लेकिन गिर जाता है। बिहार में दल की कमजोरी का मुख्य कारण यहां की जातीय राजनीति है। यादव मतदाता मुख्य रूप से राष्ट्रीय जनता दल के साथ जुड़े हैं, और समाजवादी दल को उत्तर प्रदेश की तरह यहां आधार नहीं मिला।

लेकिन अब परिदृश्य बदल रहा है। अखिलेश यादव,जो उत्तर प्रदेश में दल के प्रमुख नेता हैं, ने बिहार में नई रणनीति अपनाई है। हाल ही में वे महागठबंधन के साथ खड़े हुए हैं। महागठबंधन, जिसमें राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं, बिहार में भारतीय जनता दल के विरुद्ध मजबूत मोर्चा बना रहा है। अखिलेश ने वोटर अधिकार यात्रा में भाग लिया, जो महागठबंधन द्वारा आयोजित की गई थी।इस यात्रा का उद्देश्य मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना और भारतीय जनता दल की कथित मत चोरी के विरुद्ध जागरूकता फैलाना है। अखिलेश ने सार्वजनिक रूप से कहा कि भारतीय जनता दल बिहार से भागने वाला है, और महागठबंधन की जीत निश्चित है। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया। यह गठजोड़ बिहार के आगामी विधान सभा निर्वाचन के लिए महत्वपूर्ण है, जो 2025 में होने वाले हैं।अब सवाल यह है कि अखिलेश के इस कदम से किसे लाभ होगा? सबसे पहले,महागठबंधन को। बिहार में यादव मतदाता एक बड़ा हिस्सा हैं, लगभग पंद्रह प्रतिशत। राष्ट्रीय जनता दल इन मतों का मुख्य दावेदार है, लेकिन हाल के निर्वाचनों में कुछ मत बिखर गए हैं। अखिलेश,जो खुद यादव हैं और उत्तर प्रदेश में दल की हालिया लोक सभा जीत से उत्साहित हैं,इन मतों को एकजुट कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश में दल ने अड़तीस स्थानों पर जीत हासिल की, जो उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। यह मोमेंटम बिहार में भी काम कर सकता है। महागठबंधन को इससे यादव मतों की मजबूती मिलेगी, और गैर-यादव पिछड़े वर्गों को भी आकर्षित किया जा सकता है। कांग्रेस और वामपंथी दलों को भी लाभ होगा,क्योंकि गठजोड़ मजबूत होगा। तेजस्वी यादव,जो राष्ट्रीय जनता दल के नेता हैं, ने अखिलेश के इस समर्थन को स्वागत किया है। वे कहते हैं कि यह यात्रा भारतीय जनता दल को असहज कर रही है। दूसरी ओर, समाजवादी दल को भी अप्रत्यक्ष लाभ होगा। हालांकि बिहार में दल का आधार कमजोर है, लेकिन महागठबंधन के साथ जुड़कर यह अपनी छवि मजबूत कर सकता है। अगर महागठबंधन जीतता है, तो दल को कुछ स्थानों पर अवसर मिल सकते हैं। लेकिन मुख्य लाभ राष्ट्रीय जनता दल को होगा,क्योंकि अखिलेश का समर्थन यादव मतों को पूरी तरह उनके पक्ष में कर देगा। भारतीय जनता दल को नुकसान होगा,क्योंकि विपक्ष अब अधिक एकजुट है। बिहार में निर्वाचन हमेशा करीबी होते हैं, जैसे 2020 में महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बीच मत प्रतिशत में केवल एक प्रतिशत का अंतर था। अखिलेश का यह कदम उस अंतर को पाट सकता है। कुल मिलाकर, यह गठजोड़ बिहार की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है। शून्य के पहाड़ पर चढ़ते हुए समाजवादी दल अब महागठबंधन की सीढ़ी का सहारा ले रहा है। अगर यह सफल होता है, तो बिहार में विपक्ष की ताकत बढ़ेगी, और भारतीय जनता दल को चुनौती मिलेगी। लेकिन सफलता के लिए एकता जरूरी है। तेजस्वी और अखिलेश का यह हाथ मिलाना मतदाताओं को नई उम्मीद दे रहा है। बिहार के लोग अब देखेंगे कि यह शून्य का पहाड़ कब हरा-भरा होता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# अर्थतंत्र की ताकत और विज्ञान की भूमिका राष्ट्र विकास के लिए सर्वोपरि

**संजीव ठाकुर**
रायपुर,छ0ग0

*वर्तमान* समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है। हमे केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ना होगा। तब जाकर सनातनी सांस्कृतिक,विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन यथोचित तरीके से हो पाएगा ।

भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों पुराणों और सनातनीं संस्कारों में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण तैयार किया है और वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित,प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, आत्म विश्वासके घटक मौजूद हों।

ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास की सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रही है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को एक दिन,वर्ष या दशक में

रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता,शक्ति,ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण,उपनिषद,गीता,रामायण,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है। इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है। भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है। मनुष्य की अभिलाषा का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है, मनुष्य मूल रूप से अत्यंत महत्वकांक्षी,लोलुप एवं इच्छाओं का दास हुआ करता ह।

# राजनीति में भाषा की गरिमाः लोकतंत्र की आत्मा की रक्षा

**प्रियंका सौरभ**
हिसार,हरियाणा

लोकतंत्र केवल बहुसंख्यक मतदान और शासन प्रणाली तक सीमित नहीं है। यह समाज की सोच, नैतिकता,संवाद की गुणवत्ता और व्यक्तिगत आचरण का प्रतिबिंब भी है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह समाज को सतत सुधार और विकास की ओर प्रेरित करता है। लेकिन जब असहमति अभद्रता, कटुता और घृणा के रूप में प्रकट होने लगे,तब यह केवल राजनीतिक बहस नहीं रह जाती; यह समाज की आत्मा पर चोट पहुँचाती है।

वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि राजनीतिक संवाद का स्तर लगातार गिर रहा है। नेताओं के भाषणों में पहले की अपेक्षा अधिक व्यक्तिगत आरोप, अपमानजनक टिप्पणियाँ और कटु शब्दावली का प्रयोग हो रहा है। यह केवल राजनीतिक असहमति का विस्तार नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की गरिमा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। लोकतंत्र के मूल मूल्य में शामिल है–विचारों का सम्मान, विरोधियों के प्रति सहिष्णुता और संवाद की मर्यादा। जब ये मूल्य अनदेखा किए जाते हैं,तो समाज में असंतुलन और सामाजिक कट्टरता की स्थिति उत्पन्न होती है।

एक महिला होने के नाते यह अत्यंत पीड़ादायक है कि राजनीतिक भाषणों में महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र टिप्पणियाँ की जाती हैं। यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है,बल्कि यह समाज के नैतिक ताने-बाने पर भी चोट है। किसी भी जम्मिदार नेता द्वारा अशोभनीय और असंसदीय विशेषणों का प्रयोग लोकतंत्र और उसकी गरिमा के लिए घातक होता है। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल उनके समर्थकों तक सीमित नहीं रहते,उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग और पीढ़ी पर पड़ता है।

इतिहास हमें यह सिखाता है कि राजनीति में गरिमा और शालीनता बनाए रखने से ही समाज स्थिर और सभ्य रहता है। देश ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं को देखा है, जिनके समय में राजनीतिक असहमति के बावजूद संवाद का स्तर उच्च रहा। वे अपने विपक्षियों का सम्मान करते थे,वैचारिक मतभेद होने पर भी व्यक्तिगत अपशब्दों का प्रयोग नहीं करते थे। उनका आदर्श यही था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं,बल्कि समाज को शिक्षित,संगठित और सुसंस्कृत बनाना भी है। आज जब हम उनके दौर से तुलना करते हैं,तो यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान में राजनीतिक संवाद अपने नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से बहुत दूर चला गया है।

**महात्मा तुलसीदास जी कृत गणेश स्तुति तो समस्त जनजीवन में व्याप्त है...**

# गाइए गणपति जगवंदन,शंकर सुवन भवानी के नंदन

हमारे लोकजीवन,लोकाचार और लोकसाहित्य में गणेशजी को मंगलदाता एवं विघ्न-विनाशक के रूप में स्मरण किया जाता है। मंगलमूर्ति गणेशजी हमारे लोकजीवन में पूर्णरूप से रमे हुए हैं। सर्वपूज्य, परम पूज्य और कुशलता के प्रतीक हैं। वे समस्त ऋद्धियों और सिद्धियों के दाता हैं। मोदकप्रिय होने से उन्हें मोदकप्रिय मुद मंगलदाता कहा गया है। लोकजीवन में गणेशजी इतने समाविष्ट हैं कि हम कोई भी कार्य को प्रारंभ करने के लिए श्री गणेश कीजिये कहते हैं। श्री गणेश करना एक मुहावरा बन गया है। यात्रा पर जाते समय जय सिद्धि गणेश कहते हैं और गणेशजी हमारी यात्रा मंगलमय करते हैं। गृहप्रवेश, विद्या आरंभ करते समय गणेशजी का स्मरण, पूजन और अर्चना की जाती है, उनकी स्थापना की जाती है।

ऐसा लोकविश्वास है कि गणेशजी की पूजा करने से हमारी समस्त विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं। अतः अनेक शुभकारी नामों को धारण करने वाले गजानन गणेश के पूजन की परम्परा भारतीय लोकजीवन में सनातन और अखंड है। समाज में,परिवार में या मंदिरों में उनकी पूजा-अर्चना को मांगलिकता का प्रतीक माना जाता है। यह लोकमान्यता है कि वह शीघ्र शुभ फलदाता देवता हैं और उनके दर्शन मात्र से मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। अतः पर्वो, समारोहों, सहभोजों, यात्रागमन आदि अवसरों पर प्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा-अर्चना की जाती है। यद्यपि दीपावली पर लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है, लेकिन शुभ और लाभ के दाता तो गणेशजी ही हैं,अतः लक्ष्मीजी के साथ गणेशजी की मूर्ति मिलती है तथा युगलमूर्ति की पूजा की जाती है। संस्कार

समारोहों में जहां माता गौरी की स्थापना की जाती है,वहीं जलभरे कलश या मंगल कलश में गणेशजी की प्रतिमा रखी जाती है। यह प्रतिमा मिट्टी या गौ के गोबर से बनायी जाती है। इस प्रकार गौरी-गणेश पूजन के बाद ही मंगल कार्य सम्पन्न किया जाता है। विद्या आरंभ करते समय बालक से श्री गणेशाय नम- लिखवाया जाता है। सेठ-साहूकार अपने बहीखातों में भी प्रारंभ में श्री गणेशाय नमः लिखते हैं।

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पावन पर्व गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश में उसे बहुल चौथ के रूप में मनाया जाता है। अवधी भाषा में बहुरा या बहुला का अभिप्राय- गया हुआ होता है, अर्थात जिसके आने की उम्मीद न हो। गणेशजी की उत्पत्ति भी इसी प्रकार हुई थी। उनका सिर कट गया था और फिर हाथी का सिर लगाये जाने पर पुनर्जीवित हुए। लोकमानस ने इस पर्व का नाम इस प्रकार रखकर गणेश जन्म के पौराणिक तथ्य को सहजता से निरूपित किया है। स्कंदपुराण में श्रीकृष्ण-युधिष्ठिर संवाद के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की विशेष महिमा है। उस दिन की आराधना से गणेशजी अपने आराधकों के समस्त कार्यकलापों में सिद्धि प्रदान करते हैं। अत- उनका नाम सिद्धि-विनायक हो गया है- *सिद्धियन्ति सर्व कार्याणि मनसा चिन्तितान्यपि।

**तेन ख्याति गतो लोके,**
**नाम्ना सिद्धि विनायक॥**

महात्मा तुलसीदास जी कृत गणेश स्तुति तो समस्त जनजीवन में व्याप्त है। *गाइए गणपति जगवंदन,शंकर सुवन भवानी के नंदन।*

**सिद्धि सदन गजवदन विनायक,**
**कृपा सिन्धु सुंदर सब लायक।**

गणेशजी पांच तत्वों से समन्वित रूप हैं। ये पांच तत्व हैं- पराक्रम, आनंद, बुद्धि, कृषि और व्यवसाय। नेतृत्व के गुणों के कारण उन्हें गणपति, गणाधिपति, गणधिप, गणेश आदि नामों से पुकारा जाता है। उनका दूसरा रूप विघ्नहर्ता और मंगलदाता है। वे बुद्धि के निधान और पराक्रम के पुंज हैं। बुद्धिबल से ही वे विश्व में प्रथम पूज्य हैं। वे जल तत्व के अधपति हैं और जल ही जीवन हुआ करता है। अत- लोकजीवन में उनकी महान प्रतिष्ठा है। वाणिज्य व्यवसाय के प्रबंधन के रूप में उनकी मान्यता है, इसीलिए वणिक व्यवसाय के लोग उन्हें अधिक पूजते हैं

**पवन वर्मा**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

# नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडनदस्ता टीम ने शनिवार को शहर के सतीपारा से 30 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को 30 अगस्त को मुखबिर से जानकारी मिली की कोतवाली क्षेत्र के सतीपारा निवासी आशीष ठाकुर उर्फ कालू रानीसती मंदिर के पास नशीले इंजेक्शन बेच रहा है। मुखबिर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के कब्जे से 15 नग रेक्सोजेसिक व 15 नग एवील इंजेक्शन जब्त किया है। वह झोले में रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। टीम ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

## अलग-अलग घटना में नदी व डबरी में डूबने से बालक व वृद्धा की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

दो अलग-अलग घटनाओं में पानी में 7 वर्षीय बालक व वृद्ध महिला की डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। ग्राम केसला में शुक्रवार को नदी में नहाने गए बालक की मौत हो गई, ग्राम नकना में नशे की हालत में डबरी में गिरी 70 वर्षीय वृद्धा की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम केसला निवासी अनिल लकड़ा का बेटा अनमोल लकड़ा उम्र 7 वर्ष शुक्रवार शाम स्कूल से लौटने के बाद साथी के साथ खेलने निकला था। खेलते-खेलते दोनों बच्चे मान नदी पुल के पास पहुंचे और नहाने लगे। इस दौरान अनमोल नदी के तेज बहाव में बह गया। साथ मौजूद बच्चे ने परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की और करीब 1 किमी दूर ढेलसरा के नवापारा में उसका शव बरामद हुआ। दूसरी घटना ग्राम नकना की है, जहां सुखनी पति सयतु उम्र 70 वर्ष शुक्रवार की दोपहर घर से निकली थी। शाम को उसका शव डबरी में मिला। ग्रामीणों ने सीतापुर पुलिस को सूचना दी, लेकिन 16 घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। जानकारी के अनुसार महिला नशे की हालत में थी और उसके पीठ में शराब की बोतलें बंधी हुई थीं।

## तहसीलदार अम्बिकापुर पर पद का दुरुपयोग कर निष्पक्ष जाँच से बचने का आरोप

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

शिकायतकर्ता अंबिकापुर निवासी निलेश सिंह ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए प्रेस को अवगत कराया है कि उनकी शिकायत पर तहसीलदार अम्बिकापुर द्वारा निष्पक्ष जाँच नहीं की जा रही है और जाँच को लगातार भटकाया जा रहा है। निलेश सिंह ने बताया कि तहसीलदार अम्बिकापुर द्वारा उन्हें 30 अगस्त 2025 को दिन में 12 बजे से 3 बजे तक जाँच स्थल पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया था,किंतु स्वयं तहसीलदार मौके पर देर से पहुँचे और शिकायतकर्ता की बातों पर गौर करने की बजाय दबाव डालकर अपने पक्ष में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया। जब शिकायतकर्ता ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया तो तहसीलदार द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया कि वे जाँच नहीं करेंगे और मामले को अनदेखा कर दिया गया। श्री सिंह का आरोप है कि तहसीलदार अम्बिकापुर स्थानीय प्रभावशाली दुबे परिवार से मेल-मिलाप रखते हैं और उनकी शह पर ही बार-बार जाँच को गलत दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ ने 117 एकड़ भूमि पर स्टे दिया हुआ है इस दौरान किये गए निर्माण,निगम से अनुज्ञा,को न्यायालय मे लंबित विवाद को समाप्त करने पर स्टे के बावजूद किये गए कार्यों की जाँच की मांग की गई थी। इसके बावजूद तहसीलदार द्वारा जान-बूझकर नियम विरुद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने कहा कि तहसीलदार का यह आचरण न केवल पद की गरिमा के विपरीत है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया और शासन प्रशासन की साख पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने जिला प्रशासन और कलेक्टर सरगुजा से माँग की है कि इस पूरे मामले की विशेष जाँच एक उच्चस्तरीय अधिकारी के नेतृत्व में, मीडिया और शहर के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में करवाई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस पर निलेश सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस पर कार्यवाही नहीं की जाती तो वे अन्य सक्षम अधिकारियों एवं न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को विवश होंगे।

## प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्यून द्वारा दवाएं बांटे जाने का मामला,जांच की जाएगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

मैनपाट ब्लॉक स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कमलेश्वरपुर में शनिवार को एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। यहां फार्मासिस्ट के बिना ही अस्पताल में नियुक्त प्यून मोहर लाल मरीजों को दवाएं बांटते हुए पाया गया। इस घटना ने अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा के मानकों पर सवाल उठाए हैं। पीएचसी में नियुक्त फार्मासिस्ट रामसेवक यादव अपने ड्यूटी से गैरहाजिर थे और उनकी जगह प्यून मोहर लाल दवाएं दे रहा था। एक मरीज ने जब प्यून से दवाओं के बारे में सवाल किया,तो उसने खुद को दवा देने में सक्षम बताया और फार्मासिस्ट से संपर्क करने की सलाह दी। प्यून ने यह भी बताया कि वह अक्सर दवाएं बांटता है, भले ही वह फार्मासिस्ट न हो। मरीज ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में प्यून ने यह स्वीकार किया कि वह दवाएं देने का काम करता आया है और अगर गलत दवाएं दी जाती हैं,तो वह इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि फार्मासिस्ट रामसेवक यादव,जो कमलेश्वरपुर चौक में अपनी निजी दवा की दुकान चलाते हैं, अस्पताल में कभी नहीं आते और सिर्फ वेतन लेते हैं। वे कांग्रेस के स्थानीय नेता के भाई बताए जाते हैं,जिससे उनके खिलाफ कोई भी शिकायत करने की हिम्मत नहीं करता। घटना के बाद सीएमएचओ डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और अगर फार्मासिस्ट ड्यूटी से गैरहाजिर पाए जाते हैं और प्यून को दवाएं बांटने की अनुमति दी जाती है, तो संबंधित कार्रवाई की जाएगी। अगर फार्मासिस्ट लगातार गैरहाजिर रहते हैं, तो उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। यह मामला स्वास्थ्य सेवा के मानकों पर गंभीर सवाल खड़े करता है और इसकी उचित जांच होना आवश्यक है।

# ईद मिलादुन्नबी 2025 शहर में भव्य आयोजन की तैयारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

आगामी ईद मिलादुन्नबी को लेकर मुस्लिम समाज ने तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को इस संदर्भ में शहर के सभी मस्जिदों में कमेटियों और समाज की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से जमाल खान उर्फ मोनू को सीरतुन्नबी कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही इरशाद खान व निक्की खान को उपाध्यक्ष, एवं बाबर इदरीसी को कोषाध्यक्ष, हाजी रहमत खान को संरक्षक एवं फैजान अहमद को सचिव चुना गया। इस वर्ष के आयोजन में विशेष रूप से शहर की सभी मस्जिद कमेटियों के साथ-साथ अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन जामा मस्जिद भी सीरतुन्नबी कमेटी के साथ शामिल होगी। सभी मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी ईद मिलादुन्नबी का जुलूस शहर की सभी मस्जिदों से प्रारंभ होकर अब्दुल हमीद चौक, महामाया गेट पर एकत्रित होगा। इसके बाद जुलूस महामाया रोड,बरेज तालाब रोड,जय स्तंभ चौक, सदर रोड, महामाया चौक से होते हुए देवीगंज रोड के रास्ते घड़ी चौक कला केंद्र मैदान पहुंचेगा। वहां जुलूस एक विशाल जलसे में परिवर्तित होगा, जहां उलमाए दीन हजरत मोहम्मद (सअव) के विश्व शांति और मानवता के लिए संदेश को प्रस्तुत करेंगे। इस वर्ष एक विशेष पहल के तहत हिंदू, ईसाई, और सिख समुदाय के धर्मगुरु या उनके प्रतिनिधि हजरत मोहम्मद के जीवन और शिक्षाओं पर अपने विचार साझा करेंगे। इसके अतिरिक्त, शहर की एक प्रमुख हस्ती को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, यूपीएसई,10वीं,12वीं और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

### आयोजन की तिथि और समय

ईद मिलादुन्नबी का यह आयोजन 5 सितंबर 2025 को आयोजित होगा। जुलूस और कार्यक्रम सुबह 8 बजे शुरू होकर दोपहर 12.30 बजे तक समाप्त हो जाएंगे। सीरतुन्नबी कमेटी सभी शहरवासियों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और इसे सफल बनाने की अपील करती है।

## सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

समाज में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रदेश स्तर पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर,वरिष्ठ पार्षद एवं समाजसेवी श्री करता राम गुप्ता और जिला शिक्षा अधिकारी श्री दिनेश झा उपस्थित रहे। मंच पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री आशीष मिश्रा, चिराग वेलफेयर के सामाजिक कार्यकर्ता श्री मंगल पांडेय, यातायात प्रभारी श्री अभय तिवारी एवं एपीओ श्री सुनील तिवारी भी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में श्री अभय तिवारी,श्री करता राम गुप्ता, श्री मंगल पांडेय, श्री सुनील तिवारी, सुश्री मंजू (प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल बड़ा दमाली) एवं श्रीमती अनिता विश्वकर्मा (व्याख्याता हायर सेकेंडरी स्कूल परसा) शामिल थे। दीप प्रज्वलन के पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती निरुपा सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी सुरक्षा स्वयं करना ही सबसे बड़ी जागरूकता है। युवा यदि चाहें तो समाज का रूप बदल सकते हैं। श्रीमती पायल सिंह तोमर ने कहा कि विद्यालय की तरह यदि हम यातायात में भी अनुशासन रखें तो दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। श्री करता राम गुप्ता ने यातायात नियमों की जानकारी और पालन को आवश्यक बताया। वहीं श्री मंगल पांडेय ने कहा कि सच्ची जागरूकता वही है, जब हम ज्ञान को जीवन में अमल में लाएं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री दिनेश झा ने युवाओं को सावधानीपूर्वक वाहन चलाने का संदेश देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी सुरक्षा के प्रति और अधिक गंभीर होना होगा। इस प्रतियोगिता में जिले के सातों विकासखंडों से कुल 18 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। लखनपुर से 1, उदयपुर से 2 तथा अंबिकापुर, सीतापुर, मैनपाट, बतौली और लुण्ड्रा से 3-3 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने मंच पर अपने तर्क प्रस्तुत किए। जहां पक्ष ने अपने विचार मजबूती से रखे, वहीं विपक्ष ने भी कई मुद्दों पर प्रभावशाली तर्क रखकर मुकाबले को रोचक बना दिया। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ पार्षद श्री आलोक दुबे के ओजस्वी उद्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने छात्रों को सड़क सुरक्षा को जीवन रक्षा का मूलमंत्र मानकर इसे अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

## बैठक में एनएसयूआई संगठन के विस्तार को लेकर हुई चर्चा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

राजीव भवन में एनएसयूआई सरगुजा जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आशीष जायसवाल ने की। इस अवसर पर संगठन विस्तार पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई तथा वोट चोरी अभियान को सरगुजा के हर कॉलेज तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में प्रत्येक कॉलेज में विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को उठाया जाएगा और एनएसयूआई की विचारधारा को घर-घर और कक्षा-कक्षा तक पहुंचाया जाएगा। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि भाजपा की छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज़ किया जाएगा और छात्र हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में एनएसयूआई के विश्वविद्यालय अध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सतीश बारी, गौतम गुप्ता, आकाश यादव,अभिषेक सोनी, मेघा खांडेकर,ऋषिकेश मिश्रा, अंकित इक्का,अंकित जायसवाल, दीपेश धर,परमेश्वर भगत,अभिनव काशी,ऋषभ जायसवाल,आकाश, संजर नवाज,आयुष,आकिब खान, निर्मल,आयुष गुप्ता,ऋषभ राय उपस्थित थे।

## अंबिकापुर जनपद की ग्राम पंचायतों में आयोजित हुई आवास चौपाल जिला पंचायत सीईओ ने समय पर आवास पूर्ण करने दिया निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

पीएम जनमन आवास योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत अंबिकापुर की ग्राम पंचायत घंघरी, नर्मदपारा एवं सकालो में आज आवास चौपाल एवं निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने हितग्राहियों से संवाद करते हुए आवास निर्माण की प्रगति जानी और उन्हें निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत घंघरी में आयोजित चौपाल में समय पर आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को जिसमें शांति/सूदन, पल्लू/सूदन, नधियारो/परशु, बीफनी/सुखाराम एवं दुखनी/भदई को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रवाल ने कहा कि समय पर कार्य पूरा करने वाले हितग्राही अन्य लोगों के लिए प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना केवल मकान उपलब्ध कराने की योजना नहीं है,बल्कि यह हर हितग्राही परिवार को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ग्राम पंचायत नर्मदपारा और सकालो में भी आवास चौपाल का आयोजन कर हितग्राहियों को अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य हर पात्र परिवार को सुरक्षित पक्का मकान उपलब्ध कराना है, इसलिए समय पर निर्माण कार्य पूरा करना अनिवार्य है।

### शासकीय महाविद्यालय सनावल में किया गया जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

# पुलिस अधीक्षक ने दिया साइबर फ्राड,यातायात नियमो एवं नशे से बचने के लिए टिप्स

-संवाददाता-
सनावल,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशन में सनवाल में किया गया जन जागरूकता अभियान का आयोजन। बलरामपुर जिले के पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के द्वारा जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत स्कूल कॉलेज, हॉट बाजार, एवं ग्रामों में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर अधिक से अधिक लोगों को साइबर फ्राड से बचने के तरीकों, यातायात नियमों का पालन करने एवं नशे से दूर रहने तथा नशे से होने वाले नुकसान के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। दिनांक 29/08/2025 को एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव की अगुवाई में शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला बलरामपुर में वृहद जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव ने छात्र-छात्राओं एवं अन्य ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इस लिए प्रत्येक छात्रों को समझाइश देते हुए कहा कि आप सभी को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। उनके द्वारा कहा कि ऑनलाईन ठगी व डिजिटल अरेस्ट एवं अन्य साइबर फ्राड से बचने के उपाय भी बताया गया। उनके द्वारा साइबर अपराध व धोखाधडी से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिये शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नंबर 1930 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, साइबर अपराध से बचाव हेतु सुरक्षित पासवर्ड, ओटीपी साझा न करना, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करना, तथा ऑनलाईन ठगी से सतर्क रहने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी उपस्थित छात्रों को प्रदान की गई। जागरूकता कार्यक्रम में शामिल रहे थाना प्रभारी सनावल गजपति मिर्रे के द्वारा बताया कि नशे से होने वाले दुष्परिणामों, युवाओं से नशामुक्त रहने कहा गया। एवं नशामुक्ति पर विद्यार्थियों को मानसिक, सामाजिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करने तथा हेलमेट, सीटबेल्ट, निर्धारित गति सीमा और यातायात संकेतों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सड़क दुर्घटनाओं से बचाव एवं सुरक्षित ड्राइविंग के उपाय बताया गया।

कार्यक्रम में एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव, गजपति मिर्रे थाना प्रभारी सनावल हमराह स्टाफ एवं डॉक्टर लालू प्रसाद पैकरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सनावल,सी.एल. पाटले प्रिंसिपल शासकीय महाविद्यालय सनावल, रामकेश सिंह सरपंच व उप सरपंच उदय केशरी सनावल ,पूर्व उप सरपंच शंभु गुप्ता एवं अन्य गणमान्य नागरिको के उपस्थिति रहे।

### सेवा पखवाड़ा एवं मन की बात कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भाजपा सरगुजा की वर्चुअल बैठक संपन्न

## सेवा ही संगठन का मूल मंत्र, कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान : भारत सिंह सिसोदिया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा सरगुजा द्वारा सेवा पखवाड़ा एवं मन की बात कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आज जिला भाजपा अध्यक्ष श्री भारत सिंह सिसोदिया जी की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा है और सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिलेभर में सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सेवा ही संगठन के मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभाने और मन की बात कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में मन की बात कार्यक्रम के प्रभारी प्रशांत शंकर त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं सहित आम नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित किए जाने का आग्रह किया है। वहीं जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में अधिकतम लोगों की उपस्थिति हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक मंडल स्तर पर व्यापक तैयारी की जा रही है। बैठक का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद मधुसूदन शुक्ला ने तथा आभार मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने व्यक्त किया। बैठक में देवनाथ सिंह पैकरा, मनोज कंसारी, अखंड विधायक सिंह, प्रबोध सिंह, संतोष जायसवाल सहित सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे और अपने-अपने सुझाव साझा किए।

## शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा,चला निगम का बुल्डोजर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

नगर निगम ने अवैध कब्जे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए शनिवार को ट्रांसपोर्ट नगर में शासकीय जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को खाली कराया।

वार्डवासियों की शिकायत पर निगम अमला ने इस अभियान को अंजाम दिया। बताया गया है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारियों द्वारा ही शासकीय जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया था, जिससे स्थानीय निवासियों में नाराजगी थी। निगम के अधिकारियों ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो घरों पर बुल्डोजर चलाया और कब्जे को तुरंत हटा दिया। यह कब्जा लंबे समय से ट्रांसपोर्ट नगर के कदमपारा क्षेत्र में चल रहा था।

## ऑनलाइन गेम के चक्कर में महिला से 2.45 लाख की ऑनलाइन ठगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,30 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

ऑनलाइन गेम में रुपए लगाकर कमाने के चक्कर में एक महिला 2 लाख 45 हजार रुपए ठगी की शिकार हो गई। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुष्पा गुप्ता पति टेसलाल पटेल गांधीनगर थाना क्षेत्र के पटेलपारा की रहने वाली है। 17 अगस्त को इसके मोबाइल पर फोन आया था और उसे ऑनलाइन गेम खेलने और उसके माध्यम से पैसा कमाने का झांसा दिया था। महिला झांसे में आकर पहले 500 से 1000 रुपए जमा किया। शुरूआती में इसे मुनाफा सहित रुपए मिलता गया। इससे इसका विश्वास बढ़ गया। महिला 14 से 17 अगस्त के बीच कुल 2 लाख 45 हजार रुपए इंवेस्ट की। इसके बाद उसे न तो मूलधन वापस हुआ और न ही मुनाफे का पैसा।

CMYK

# नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया इसलिए भारत पर टैरिफ

## न्यूयॉर्क टाइम्स का दावा,ट्रम्प बोले...पाकिस्तान ने किया, भारत भी करे,इससे मोदी नाराज

**वॉशिंगटन डीसी, 30 अगस्त 2025।** न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक,भारत और अमेरिका के बीच तनाव की असल वजह ट्रम्प की नोबेल प्राइज की ख्वाहिश है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रम्प ने 17 जून को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने पर कितना गर्व है। इसके बाद ट्रम्प ने मोदी से कहा कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है। ट्रम्प ने इशारों में भारत से भी ऐसा करने को कहा। मोदी इससे नाराज हो गए थे। मोदी ने ट्रम्प से साफ कह दिया कि भारत-पाक के बीच हुए सीजफायर से अमेरिका का कोई लेना देना नहीं है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर हुआ है।

**ट्रम्प क्वाड समिट के लिए भारत नहीं आएंगे :** मोदी ने कभी ट्रम्प को 'सच्चा दोस्त' कहा था, लेकिन अब उनके संबंध ठीक नहीं रहे। राष्ट्रपति कार्यालय से जुड़े लोगों के मुताबिक, मोदी को पहले बताया गया था कि ट्रम्प इस साल के अंत में क्वाड समिट में हिस्सा लेने भारत आएंगे,लेकिन अब ट्रम्प की भारत आने की कोई योजना नहीं है। भारत में अब ट्रम्प के खिलाफ नकारात्मक माहौल बन चुका है। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र में एक त्योहार के दौरान उनका एक बड़ा पुतला घुमाया गया, जिसमें उन्हें 'पीठ में छुरा घोंपने वाला' दिखाया गया। अमेरिका की ओर से जो कड़े कदम उठाए गए हैं, उन्हें एक भारतीय अधिकारी ने सीधी बदमाशी यानी 'गुंडागर्दी' कहा।

**हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प वाली दोस्ती पर खतरा :** भारत में बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि मोदी ऐसी स्थिति में आ जाएंगे। उन्होंने लगातार तीसरी बार चुनाव जीतते समय यह वादा किया था कि वे खुद को और भारत को एक वैश्विक ताकत बनाएंगे।

### ट्रम्प ने मोदी की बात को अनदेखा किया

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रम्प ने मोदी की बात को अनदेखा कर दिया, जिससे दोनों नेताओं के बीच तल्खी बढ़ गई। इसके बाद से दोनों ने कोई बातचीत नहीं की। यह रिपोर्ट वॉशिंगटन और नई दिल्ली में एक दर्जन से ज्यादा लोगों से हुई बातचीत पर आधारित है। इनमें से ज्यादातर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बात की। इन लोगों ने बताया कि ट्रम्प और भारत के बीच का रिश्ता दोनों देशों के लिए बड़े असर वाला हो सकता है। ट्रम्प की नीतियों से भारत-अमेरिका का रिश्ता कमजोर हो रहा है। वहीं, भारत अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कदम उठा रहा है, लेकिन इसमें उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका नाराज हो रहा है।

ट्रम्प की छवि हमेशा से ऐसी रही है कि वे रणनीति से अधिक व्यक्तिगत रिश्तों पर ध्यान देते हैं और भारत में लोगों को लगा कि यह रवैया भारत के लिए फायदेमंद साबित होगा। ट्रम्प और मोदी की दोस्ती की तस्वीरें भी लोगों को यही भरोसा दिलाती थीं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में वे टेक्सास में भारतीय प्रवासियों की 'हाउडी मोदी!' रैली में शामिल हुए थे। इसके कुछ महीने बाद ही मोदी के गृह राज्य गुजरात में 'नमस्ते ट्रम्प!' कार्यक्रम हुआ, जहां मोदी ने हवाई अड्डे पर गले लगाकर उनका स्वागत किया और फिर संगीत, नर्तकों और एक लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ के बीच ट्रम्प का भव्य स्वागत हुआ।

**रिपोर्ट-मोदी की राजनीतिक ताकत कमजोर करना चाहते थे ट्रम्प :** ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में दुनिया के कई नेताओं ने उनकी तारीफों और उपहारों से उनका मन जीतने की कोशिश की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री व्हाइट हाउस में राजा चार्ल्स का पत्र लेकर पहुंचे, फिनलैंड के राष्ट्रपति ने ट्रम्प के साथ गोल्फ खेला और यहां तक कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, जिन्हें ट्रम्प पहले डांट चुके थे, कैमरों के सामने जाकर उन्हें शुक्रिया कहने लगे। लेकिन ट्रम्प, मोदी से कुछ और चाहते हैं। वे चाहते हैं कि मोदी की राजनीतिक ताकत कमजोर पड़े और वे अप्रासंगिक हो जाएं। अगर ऐसा माना जाए कि मोदी ने एक कमजोर देश के साथ सीजफायर अमेरिकी दबाव के कारण किया है, तो इसका भारी राजनीतिक नुकसान होगा।

### दावा- ट्रम्प के सामने कमजोर नहीं पड़ना चाहते मोदी

मोदी की मजबूत नेता की छवि पाकिस्तान के प्रति उनके सख्त रुख पर टिकी हुई है। अगर यह माना जाए कि ट्रम्प की इसमें कोई भूमिका थी, तो यह मोदी के लिए आत्मसमर्पण जैसा होगा। ऐसे में नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन की संभावना तो बिल्कुल खत्म हो जाएगी। दूसरी ओर, पाकिस्तान को ट्रम्प का करीबी मानते हुए जल्दबाजी में उन्हें इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया। अखबार आगे लिखता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुई हिंसा को रोकने में अमेरिका का कितना हाथ था, यह साफ-साफ कहना मुश्किल है, लेकिन ट्रम्प का दावा है कि उन्होंने दोनों देशों पर दबाव और व्यापारिक लालच के जरिए लड़ाई रुकवाई, लेकिन भारत इस दावे को मानने से इनकार करता है। अखबार लिखता है कि अमेरिका का भारत और पाकिस्तान दोनों पर असर है और पहले भी अमेरिकी नेताओं के दखल से कई बार तनाव कम हुआ है।

# इस्राइली-फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने एक साथ निकाली शांति रैली,पत्रकार मरियम को दी श्रद्धांजलि

**तेल अवीव,30 अगस्त 2025।** इस्राइल और फलस्तीन के बीच जारी युद्ध की भयावहता ने एक बार फिर पत्रकारिता की स्वतंत्रता और मानवता पर गहरी चोट की है। नाजरेथ की सड़कों पर शुक्रवार को इस्राइली और फलस्तीनी कार्यकर्ता इकट्ठा हुए। उन्होंने पत्रकारों की पहचान वाले 'प्रेस' स्टिकर पहनकर गाजा में शांति की अपील की। प्रदर्शनकारियों का संदेश साफ था कि पत्रकारिता अपराध नहीं है। इस रैली में कई लोग उन पत्रकारों की तस्वीरें लिए खड़े थे, जिन्हें इस संघर्ष में अपनी जान गंवानी पड़ी। नाजरेथ की इस रैली में लोगों ने बैनर उठाए, जिन पर लिखा था कि सच का कत्ल मत करो। कुछ प्रदर्शनकारियों ने खाली बर्तनों को बजाकर गाजा में भुखमरी और पत्रकारों की हत्या का विरोध जताया। गाजा युद्ध में अब तक करीब 200 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। इन्हीं में 33 वर्षीय मरियम दग्गा भी थीं, जो एसोसिएटेड प्रेस के लिए फ्रीलांस करती थीं। इस हफ्ते खान यूनिस के नासेर अस्पताल पर इस्राइली हमले में वे चार अन्य पत्रकारों और 17 लोगों के साथ मारी गईं।

**मरियम दग्गा की कहानी :** मरियम उन पत्रकारों में थीं जो युद्ध के दौरान नासेर अस्पताल में रहकर लगातार रिपोर्टिंग कर रही थीं। वे विस्थापित फलस्तीनियों की परेशानियां, डॉक्टरों और नर्सों की मेहनत और भूख से जूझते बच्चों की हालत दुनिया तक पहुंचा रही थीं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने अस्पताल पर हमले में हमास के निगरानी कैमरे को निशाना बनाया था, न कि पत्रकारों को। प्रधानमंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। लेकिन यह सफाई मरियम के परिवार के गहरे दर्द को कम नहीं कर सकी।

**पिता और बहन की आंखों से आखिरी पल :** खान यूनिस में मरियम के पिता रियाद अपनी बेटी की आखिरी तस्वीरों को देखते हुए फूट-फूटकर रो पड़े। उन्होंने कहा कि खबर सुनते ही मेरे पैर जवाब दे गए। मुझे समझ ही नहीं आया कि मेरे आसपास क्या हो रहा है। किसी ने कहा मरियम शहीद हो गई है, और मैं वहीं ढह गया। उनकी बहन नदा अस्पताल में उनके साथ थीं और उन्होंने आखिरी बार अपनी बहन को मुस्कुराते हुए देखा था, जब दूसरी मिसाइल सीढ़ियों पर गिरी और मरियम वहीं मारी गईं।

मरियम के भाई मोहम्मद ने अपनी बहन को मलबे से बाहर निकाला। वे उन्हें चौथी मंजिल से उठाकर ऑपरेशन रूम तक ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने साफ कह दिया कि अब केवल शव रिसेप्शन पर ले जाया जाएगा। मरियम की आखिरी तस्वीरों में वही टूटा हुआ अस्पताल का सीढ़ीदार हिस्सा दिखता है, जहां बाद में उनकी जान गई। तस्वीरों में लोग पहली बमबारी के बाद सीढ़ियां चढ़ते दिखते हैं, और खिड़कियों से बाहर झांकते नजर आते हैं। इन तस्वीरों ने मरियम की आखिरी गवाही के रूप में दुनिया को युद्ध की सच्चाई दिखा दी।

# इंडोनेशिया में भीड़ ने संसद भवन को किया आग के हवाले,तीन की मौत

**जकारता,30 अगस्त 2025।** इंडोनेशिया में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। साउथ सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सार में गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार देर रात स्थानीय संसद भवन में आग लगा दी। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जलने और इमारत से कूदने के कारण चोटें आईं। घटनास्थल से शनिवार सुबह शव बरामद किए गए। स्थानीय रिपोर्ट में बताया गया कि पूरी इमारत आग की लपटों से घिर गई और रातभर क्षेत्र नारंगी रोशनी में डूबा रहा। इसके अलावा वेस्ट जावा के बांडुंग शहर में भी प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्रीय संसद भवन को आग के हवाले कर दिया। सुराबाया शहर में गुस्साई भीड़ ने पुलिस मुख्यालय पर धावा बोला, वाहनों को आग के हवाले किया और बैरिकेड तोड़ दिए। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया,लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पटाखों और लकड़ी की छड़ों से जवाब दिया।

**प्रदर्शन की वजह और हालात :** जकारता में शनिवार को स्थिति कुछ हद तक सामान्य रही। सुरक्षा बलों ने जली हुई गाड़ियां, पुलिस चौकियां और बस स्टॉप हटाने का काम किया। दरअसल, प्रदर्शन की शुरुआत सोमवार को हुई थी जब यह खुलासा हुआ कि संसद के सभी 580 सांसदों को वेतन के अलावा हर महीने 50 मिलियन रुपिया (करीब 3,075 डॉलर) आवास भत्ता दिया जा रहा है। यह राशि जकारता की न्यूनतम मजदूरी से लगभग दस गुना अधिक है। आलोचकों का कहना है कि महंगाई, बेरोजगारी और टैक्स बोझ झेल रहे आम नागरिकों के बीच इतना भारी भत्ता देना बेहद असंवेदनशील कदम है। प्रदर्शन और ज्यादा हिंसक तब हो गया जब 21 वर्षीय अफ्फान कुर्नियावान की मौत की खबर सामने आई। वह फूड डिलीवरी करते समय जकारता में प्रदर्शन के बीच फंस गया था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा कि नेशनल पुलिस की मोबाइल ब्रिगेड की एक बख्तरबंद गाड़ी भीड़ में घुस गई और अफ्फान को कुचल दिया। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया और सुरक्षा बलों के खिलाफ गुस्सा और बढ़ा। केवल जकारता में ही गुरुवार तक 951 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

# लाहौर से मुल्तान तक तबाही...

## पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़,30 की मौत और लाखों बेघर

**इस्लामाबाद,30 अगस्त 2025।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके। शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की जान गई है। करीब 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अब तक 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगभग 2,000 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। प्रशासन ने मंडी बहाउद्दीन,चिनीओट और झंग समेत कई इलाकों में सात जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक, केवल चिनाब नदी से 1,169 गांव प्रभावित हुए हैं। रावी नदी से 462 गांव और सतलुज से 391 गांव डूबे हैं। पूरे प्रांत में 351 राहत व मेडिकल कैंप चलाए जा रहे हैं।

# यमन में इस्राइल ने किया हवाई हमला,हूती विद्रोही सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत

**काहिरा,30 अगस्त 2025।** इस्राइल ने एक बार फिर यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले किया। बताया जा रहा है कि हमलों में हूती विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत हो गई। साथ ही हमले में कई और मंत्रियों ने भी जान गंवा दी।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। उनको अन्य मंत्रियों के साथ सरकार की पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि उसने यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया। हमला उस वक्त किया गया जब शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। यमन के एक चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे। हमले में हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी मारे जाने की संभावना है।

**हमास के समर्थन में इस्राइल पर मिसाइल दागते रहें हैं हूती :** गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध के दौरान हूतियों ने इस्राइल पर बार-बार मिसाइलें दागी हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए जा रहे हैं।

हालांकि यमन की ओर से दागी गई ज्यादातर मिसाइलें इस्राइल ने रोक लीं और हवा में ही उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हूती संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में इस्राली हमलों ने सना के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और 102 अन्य घायल हो गए।

### अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया

## फिलहाल रोक नहीं,ट्रम्प बोले...टैरिफ हटे तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा

**वॉशिंगटन डीसी, 30 अगस्त 2025।** अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा।

**कोर्ट बोला- टैरिफ लगाने की शक्ति संसद के पास :** ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिका का व्यापार घाटा ही राष्ट्रीय आपातकाल है। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर 'नेशनल इमरजेंसी' घोषित कर टैरिफ लगाए।

अब कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि शुल्क लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, यह शक्ति केवल संसद के पास है। 7-4 के बहुमत से दिए गए इस फैसले में अदालत ने साफ लिखा कि 1977 में जब कांग्रेस ने IEEPA कानून बनाया था, तब उसका मकसद राष्ट्रपति को बिना सीमा के शुल्क लगाने की ताकत देना नहीं था। ट्रम्प सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि टैरिफ हटाने पड़े तो 159 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) की वसूली वापस करनी पड़ सकती है। इससे अमेरिकी खजाने को बड़ा झटका लगेगा। ट्रम्प सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि टैरिफ हटाने पड़े तो 159 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) की वसूली वापस करनी पड़ सकती है। इससे अमेरिकी खजाने को बड़ा झटका लगेगा।

# ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की नई पहल

## दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम का होगा शुभारंभ,31 अगस्त को दोपहर 12:15 बजे सभी आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित होगा कार्यक्रम

-संवाददाता-
**अंबिकापुर,30 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।**
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक,आर्थिक और पारिवारिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत तैयार विशेष रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का शुभारंभ 31 अगस्त 2025 को दोपहर 12:15 बजे किया जाएगा। यह कार्यक्रम आकाशवाणी रायपुर केंद्र सहित प्रदेश के सभी आकाशवाणी केंद्रों से एक साथ प्रसारित होगा। साथ ही इसकी लाइव स्ट्रीमिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (www.onlineradiofm.in/stations/all-india-air-raipur) पर भी उपलब्ध रहेगी, जिससे लोग भी जुड़ सकेंगे।

**मुख्यमंत्री और मंत्रियों का विशेष संदेश :** कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री तथा राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा ग्रामीण महिलाओं के नाम विशेष संदेश और प्रेरणादायी शुभकामनाएं प्रसारित की जाएंगी। यह अवसर न केवल एक कार्यक्रम का शुभारंभ होगा बल्कि शासन की नीतियों और योजनाओं को सीधे जनता तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम भी बनेगा। दीदी के गोठ का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना, उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना तथा आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की ओर अग्रसर करना है। इस कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की कहानियाँ सुनाई जाएंगी। कैसे उन्होंने संघर्ष और कठिनाइयों को पार कर अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से न सिर्फ़ आर्थिक रूप से मजबूती हासिल की बल्कि समाज में भी एक नई पहचान बनाई।

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिले में आयोजित हो रहे विविध कार्यक्रम

## सद्भावना फुटबॉल प्रतियोगिता में सैनिक स्कूल बनी फुटबॉल विजेता टीम

-संवाददाता-
**अंबिकापुर,30 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।**
मेजर ध्यानचंद जी की जयंती व राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में खेल और फिटनेस से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। श्रृंखला के प्रथम दिन 29 अगस्त को महिला एवं पुरुष वर्ग में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं आज 30 अगस्त को गांधी स्टेडियम खेल मैदान में सद्भावना फुटबॉल मैचों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खेलो इंडिया सेंटर, सैनिक स्कूल, सेंट जेवियर एवं कार्मेल स्कूल की टीमें शामिल हुईं। रोमांचक फाइनल मुकाबला सैनिक स्कूल और सेंट जेवियर स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें सैनिक स्कूल की टीम ने सेंट जेवियर को 2-0 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने विजेता खिलाड़ियों को शील्ड एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके उत्साहवर्धन के साथ सभी प्रतिभागियों को खेलों में निरंतर सक्रिय रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय आयोजन की श्रृंखला में अंतिम दिन 31 अगस्त 2025 को प्रातः 7:30 बजे घड़ी चौक से संडे ऑन साइकिल साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में शहर के नागरिकों, खिलाड़ियों के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं विभागीय कर्मचारी भी भाग लेंगे।

# न सड़क न मूलभूत सुविधाएं,विकास की बात बेमानी!

# विकास एवं मूलभूत सुविधाओं से कोसो दूर ग्राम सुक्करा सेमरिया

## अभी तक नही पहुच पाई अधिकांश सरकारी योजनाएं,बिजली नही,सड़क हुई भयावह शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल,विकास की बाट जोहते ग्रामवासी

-राजन पाण्डेय-

**बैकुंठपुर/सोनहत 30 अगस्त 2025(घटती-घटना)।** विकासखंड सोनहत के वनांचल ग्राम सुक्करा सेमरीया सहित अनेक गांवों में शासन की योजनाएं सही ढंग से नही पहुंच पा रहीं है आलम है की ग्रामवासी मूल भूत सुविधाओं के लिए तो तरस ही रहे हैं उनके नसीब में बिजली, सडक और साफ पानी भी मयस्सर नहीं है सेमरीया पहुंच मार्ग जर्जर और बेहद खतरनाक हैं हैंडपंप बिगडे हुए हैं शाला भवन भी बदहाल है साथ ही बिजली की समस्या से पूरे गांव जूझ रहे हैं। सेमरिया निवासी अवध यादव चैनसाय सुंदरसाय एवं अन्य ने जानकारी देते हुए बताया की कई बार शासन प्रशासन को क्षेत्र में विकास कार्य कराने मांग किया लेकिन पिछले 20 सालों से स्थिती लगभग जस की तस है किसी प्रकार का कोई विकास कार्य नही कराया गया है। सरकार हो या पंचायत उनके प्रतिनिधि आए और गए पर ज्यादा कुछ बदला नहीं आज भी ये पुराने ढर्रे पर ही जीवन गुजर बसर करने को मजबूर हैं।

### बरसात से भयावह हुआ सेमरीय मार्ग,पगडंडी से हो रहा आवागमन

ग्राम सेमरिया पहुच मार्ग बरसात के कारण भयावह हो गया है एक तो लंबी चढ़ाई उपर से खराब रस्ता ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। आलम है कि आए दिन सेमरीया के लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं वही खराब रस्ता होने के कारण सरकारी अधिकारी कर्मचारी भी उक्त ग्राम में पहुचने की हिमाकत नही करते जिससे कारण लोगों को शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पाता है। सेमरिया के अलावा सलगवां ललमटटा रेवला कुर्थी मझगवां के अंतर्गत आने वाले पहुंच मार्ग खस्ताहाल है,जिससे निकलने में ग्रामवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पडता है इन मार्गो में कई स्थानों पर पहुंच मार्ग में पुलिया का आभाव है साथ ही पुलिया विहीन इस मार्ग में चार पहिया वाहन नही जा पाते मात्र दु पहिया वाहन किसी तरह से पहुच पाते है जिससे आपातकालीन परिस्थितीयों में कभी भी कोई अप्रिय घटना घट जाती है । वर्तमान समय में आने जाने वाले लोगइन रास्तों में सफर न करके पगडंडियों का सहारा लेते है ।

### क्या कहते है लोग

सेमरिया से अमृतपुर मार्ग की स्थिती बहुत ही दयनीय है आने जोने में लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे है। जल्द उक्त मार्ग कास मरम्मत होना चाहिए और घाट कटिंग के साथ घाट में सीसी सड़क का भी निर्माण होना चाहिए।

**अवध यादव**
**सामाजिक कार्यकर्ता**

पिछ्ली सरकार में आनंदपुर से नटवाही के बीच पुल पुलिया एवं सड़क निर्माण हुआ था लेकिन सेमरीया क्षेत्र का काम नही हो पाया वर्तमान में सेमरीया से अमृतपुर तक सड़क निर्माण की नितांत आवश्यकता है जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए

**पुष्पेन्द्र राजवाड़े**
**अध्यक्ष कोरिया जन सहयोग समिति**

सेमरिया एवं सुक्करा में सड़क घाट कटिंग एवं सी सी सड़क निर्माण हेतू प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर मांग की जावेगी।

**प्रकाश चंद्र साहू**
**अध्यक्ष यूथ कांग्रेस**

सेमरिया से अमृतपुर एवं अमृतपुर से सुक्करा सड़क निर्माण हेतू पंच संघ का प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर महोदया से मुलाकत कर मांग करेगा।

**प्रेमसागर तिवारी**
**अध्यक्ष पंच संघ**

### बरसात के कारण आंगनबाडी केन्द्र बदहाल

ग्राम सुक्करा सेमरिया सलगवां कुर्थी समेत कई ग्रामों के गरीब आदिवासी नवनिहालों को पोषण अहार से लेकर शिक्षा के प्रथम सोपान हेतु तैयार कराने में अहम भुमिका तय कराने के लिए संचालित आंगनबाडी केन्द्र कही भवन तो कही पोषण आहार के अभाव में बदहाल है। इसके अलावा गांव एवं पारा मुहल्लों की सड़क बारिश के कारण इतनी बद से बदतर हो गई कि नौनिहालों को आंगनबाड़ी केन्द्र एवं स्कूलों तक पहुचने काफी मशक्कत करनी पड़ रही है जिससे स्कूलों आंगन बाड़ीयों में उपस्थिती प्रभावित है। रोजगार भी प्रभावित है ग्राम सेमरिया के ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया की मनरेगा के मांग किया कि लोगों को मनरेगा के तहत काम मिलना चाहिए ताकि लोगों का जीविकोपर्जन हो सके।

### नलकूप खराब कई में लाल पानी

वनांचल ग्राम रामगढ सिंघोर एवं सेमरिया उधैनी अन्य ग्रामों में ग्राम स्तर पर विगत एक माह से नलकूप खराब होने एवं लाल पानी आने से ग्राम स्तर पर पेयजल समस्या गहराने लगा है। वही नलकूप खराब होने से ग्राम स्तर पर पेयजल हेतु आदिवासी परिवारों को भारी दिक्कत का सामना करना पड रहा है। ग्रामजनों ने प्रशासन स्तर पर नलकूप सूधार की मांग किया है।

**नए पँचायत से जोड़ा गया है** - पहले सेमरिया सूक्करा ग्राम पंचायत उग्याव के सम्मिलित था लेकिन पिछ्ली सरकार में अमृतपुर ग्राम को नवीन ग्राम पंचायत बना कर सेमरिया सूक्करा को इसमें जोड़ दिया गया नवीन पँचायत में जुड़ने से पँचायत मुख्यालय की दूरी जरूर थोड़ी कम हुई लेकिन अभी भी समस्याएं विद्यमान है जिनका निराकरण आवश्यक हो चला है।

### स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी खराब

सोनहत तहसील मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर स्थित किमी दूरी पर स्थित ग्राम सेमरिया सुक्करा में स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है आलम है की किसी तरह नीम हकिमी व्यवस्थाओं से ग्राम वासी अपना इलाज करा रहे है। हलाकि पिछ्ले महीने स्वास्थ्य विभाग ने यहां पर कैंप किया था लेकिन सोनहत में बीएमओ बदल जाने के बाद से स्थिती और खराब हो गई है। वहीं ग्राम कुर्थी एवं ललमटटा में भी हालात बदतर हो चुके है । कई स्थानों पर तो विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिये विभिन्न योजनाओं का संचालन भी महज कागजों तक ही सिमित है, आलम है की ग्राम वासीयों को कई योजनाओं की कोई जानकारी नहीं है वर्तमान समय में ग्राम वासी ढोंढी का पानी पीने मजबूर है।

### सुक्करा की सड़क भी बदहाल

सेमरीया के अलावा ग्राम सुक्करा की सड़क का और बुरा हाल है। पुर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में सुक्करा से अमृतपुर सड़क को अस्थाई तौर पर मिटअी सड़क का निर्माण कराया गया था जो दो से तीन साल तक ठीक रही इसके बाद हर वर्ष के बरसात के कारण सड़क धीरे धीरे बहने लगी और वर्तमान में हालात बद से बदतर हो गए हैं। क्षेत्र के लोगों को नयी सरकार से काफी उम्मीदें थी की नवीन सरकार में सड़क एवं बिजली सौर उर्जा के क्षेत्र में अच्छा कार्य होगा लेकिन फिलहाल ग्रामवासीयों के उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

---

## चोरी की मोटर सायकल सहित 2 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

**सूरजपुर,30 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।** डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। दिनांक 13.08.2025 को ग्राम मोहली भैयाथान निवासी दिनेश देवांगन ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09.08.2025 को सूरजपुर स्थित पेट्रोल पंप में अपनी बजाज अपाचे मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 सीजेड 9444 को खड़ा कर अपने काम से गया था वापस आया तो देखा कि मोटर सायकल वहां नहीं है, कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 303(2), 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज को खंगाला जिसमें मोटर सायकल को चोरी कर ले जाते अज्ञात व्यक्ति दिखा जिसकी पतासाजी करते हुए दबिश देकर आरोपी मनु सिंह पिता मनकेश्वर उम्र 22 वर्ष एवं चेतन सिंह पिता नंदलाल उम्र 21 वर्ष दोनों निवासी ग्राम मलगा थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर चोरी की अपाचे मोटर सायकल कीमत 20 हजार रूपये को बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई देवनाथ चौधरी, आरक्षक प्रदीप सोनवानी, जितेन्द्र पटेल व देवनीश सक्रिय रहे।

## खुटरापारा नहर के पास तीन फीट तक धंसी सड़क

### जल संसाधन विभाग द्वारा डलवाई मिट्टी बनी मुसीबत

-राजन पाण्डेय-

**बैकुंठपुर/सोनहत,30 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।** ग्राम पंचायत सोनहत के खुटरापारा नहर मरम्मत कार्य के दौरान जल संसाधन विभाग द्वारा पक्की सड़क खोद कर नहर मरम्मत का कार्य कराया गया था, बाद में खोदी गई सड़क को पाट कर उसमें आर सी सी कार्य कराया गया था लेकिन आर सीसी कार्य गुणवत्ता विहीन कराए जाने के कारण बरसात में वह पूरी तरह से धस गया और उसमें लगभग 3 फिट का गड्ढा हो गया जिससे आने जाने वाले लोगो को भारी परेशानी होने लगी, ग्रामीणो द्वारा लगातार मांग करने के बाद जल संसाधन विभाग द्वारा उसमें मिट्टी डलवा दी गई है जिससे अब वह और खतरनाक हो गया है, गाड़ियां फंसने के डर बना हुआ है। आलम है कि बड़ी गाड़ियां उस मार्ग से न जाते हुए सलगवा मार्ग का सहारा लेकर जा रही हैं।

#### ग्रामीणों में नाराजगी

विभाग द्वारा मुरुम मिट्टी डाले जाने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को यहाँ पर पुनः आर सीसी कार्य करना था ऐसे में मिट्टी डालने के कारण पानी आने पर वाहन फंसने और दुर्घटना का डर बना रहेगा, ग्रामीणों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर तत्काल आर सीसी कार्य कराए जाने की मांग किया है।

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान, जिला सूरजपुर,छ0ग0**

रा0प्र0क्र0.../अ-2/2024-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत खाड़ापारा/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री अम्बर कुमार सिंह पिता/पति श्री कृष्ण कुमार सिंह निवासी खाड़ापारा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं0 367/1 रकबा 0.21 हे0 जो ग्राम खाड़ापारा प.ह.नं. 03. रा0नि0म0 भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 12/9/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा.) भैयाथान जिला-सूरजपुर

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान, जिला सूरजपुर,छ0ग0**

रा0प्र0क्र0... /अ-2/2024-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत खाड़ापारा/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्री अमित सिंह पिता/पति श्री कृष्ण कुमार सिंह निवासी खाड़ापारा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं0 367/3 रकबा 0.22 हे0 जो ग्राम खाड़ापारा प.ह.नं. 03. रा0नि0म0 भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 12/9/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा.) भौयाथान जिला-सूरजपुर

**न्यायालय तहसीलदार,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0**

रा0प्र0क्र0... /ब-121/28/8/2025

**ईश्तहार**

आवेदक/आवेदिका का नाम अनिल कुमार बंसल पिता स्व0 टेकचंद बंसल जाति सामान्य निवासी ग्राम/मोहल्ला भैयाथान मार्ग सूरजपुर प.ह.नं.......... तहसील सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने.. माता स्व0 सरफी मृत्यु दिनांक 02/01/2021 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 17/9/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/8/2025 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार सूरजपुर

**न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-02,जिला-सरगुजा(छ0ग0)**

रा0प्र0क0-202508021700002 /अ-27/2024-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गंगा राम राजवाडे आ0 स्व0 मनबोध व अन्य जाति रजवार, निवासी ग्राम घाघीटिकरा अखोराकला, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम भकुरा स्थित भूमि खसरा न0 304, 629, 632, 648, 649, 777 कुल खसरा नंबर 06 कुल रकबा 1.716 हे0 भूमि का अनावेदक गुरूचरण आ0 चैतू राम व अन्य, निवासी ग्राम घाघीटिकरा अखोराकला, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 के मध्यम खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/09/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 11/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अंबिकापुर-02

**न्यायाल अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0**

रा.प्र.क्र./... /अ-2/24-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व - साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज्ञ अग्रवाल पिता मधुसूदन अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4562/13 रकबा 0.062 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 15 /09/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 29/8 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

**न्यायाल अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0**

रा.प्र.क्र./... /अ-2/24-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद कुमार अग्रवाल आठ स्व0 दुली चंद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4562/15 रकबा 0.034 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 15/09/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 29/8/ 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

**न्यायाल अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0**

रा.प्र.क्र./... /अ-2/24-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूजा अग्रवाल पत्नी अमित अग्रवाल 2. ज्योति अग्रवाल पत्नी आशीष अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी बसंतलाल मार्ग इमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4562/14 रकबा 0.034 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा, नक्शा भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 15 /09 /2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के किया जावेगा ।

आज दिनांक 29 /8 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय में कार्यरत तत्कालीन प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता का 26 साल बेमिसाल विषय पर विशेष...

# अखिलेश चंद्र गुप्ता के अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर में

# भ्रष्टाचार के 26 साल बेमिसाल

- 26 साल अखिलेश चंद्र गुप्ता के लिए ऐतिहासिक साल माना जा सकता है पर महाविद्यालय के विकास में ऐतिहासिक नहीं...
- 26 साल में भ्रष्टाचार की गाथा बयां कर रहा है अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर
- 26 साल के कार्यकाल में जो भ्रष्टाचार हुए हैं उसकी जांच के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय तक को भेजा गया है ज्ञापन बस जांच आदेश का है इंतजार
- 6 साल तक महाविद्यालय के कैश बुक का नहीं हुआ ऑडिट और ना ही ऑडिट रिपोर्ट किया गया जमा
- सेवानिवृत होने के 6 महीने बाद उन्हें कैश बुक का ऑडिट कराने की याद आई अब वर्तमान प्राचार्य से मांग रहे अनुमति
- सेवानिवृत होने के दिन भी उन्होंने खर्च किए 98 हजार,कैश बुक में है काफी वित्तीय अनियमितता,जांच की उठ रही मांग

-रवि सिंह-

**कोरिया,30 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।**

दो चरण में सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता ने 26 साल बैकुंठपुर महाविद्यालय का प्रभार संभाला है, अखिलेश चंद्र गुप्ता की नौकरी में से 26 साल सिर्फ बैकुंठपुर महाविद्यालय के प्रभार में उन्होंने बिताए हैं, इस बीच नवीन महाविद्यालय का भी प्रभार इनके पास रहा, इनका इतिहास काफी लंबा है 26 साल में कई सरकारे आई और गई पर प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता फेवी क्विक की तरह प्रभारी प्राचार्य की कुर्सी पर चिपके रहे, महाविद्यालय की स्थापना 1982 में हुई थी महाविद्यालय की स्थापना के 43 साल हो चुके हैं इस 43 साल में इस महाविद्यालय में इनके अलावा सिर्फ आठ लोगों ने ही यहां के प्राचार्य पद पर जिम्मा संभाला या उन्हें सौभाग्य हासिल हो पाया, महाविद्यालय के 43 साल में से 26 साल सिर्फ अखिलेश चंद्र गुप्ता के रहे जो भ्रष्टाचार की मिसाल बन सकते है ऐसा अब कहा जाने लगा है, उनके पूर्व कोई भी प्राचार्य एक साल से 2 साल इस महाविद्यालय में नहीं रहा, अखिलेश चंद्र गुप्ता ही ऐसे इकलौते महापुरुष प्राचार्य हैं जिन्होंने दो चरण में अपने 26 साल पूरा किया,पहले चरण इनका प्रभारी प्राचार्य का कार्यकाल 1997 से 2009 तक रहा जो 12 साल का था,दूसरा चरण 2 साल बाद फिर आया इनके जीवन में जो 2011 से 2025 तक का था जो महाविद्यालय के प्राचार्य की कुर्सी पर इन्हें सुशोभित कर गया,14 साल और इन्हें प्राचार्य बनने का मौका मिला,कुलमिलाकर 26 साल इन्हें महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य बने रहने का मौका मिला। लगभग अपनी 30 से 35 साल की नौकरी में 26 साल बैकुंठपुर महाविद्यालय का प्रभारी प्राचार्य बनकर बिता दिया इन्होंने,यह 26 साल इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है, इतना लंबा कार्यकाल इस महाविद्यालय में किसी भी प्राचार्य का नहीं रहा और आगे भी नहीं रहेगा, अधिकतम 3 वर्ष ही कोई भी प्राचार्य यहां बने रहे, इनसे पहले सिर्फ 10 लोगों को ही यह मौका मिला। क्या यह 26 साल इस महाविद्यालय में भ्रष्टाचार के लिए था?

## जिन पदों पर 3 साल से अधिक नहीं रहना चाहिए उस पद पर 26 साल कैसे रहे अखिलेश चंद्र गुप्ता?

सभी विभागों में 3 साल में ट्रांसफर हो जाता है पर इतने बड़े महाविद्यालय में 26 साल तक एक ही व्यक्ति एक ही पद पर पदस्थ रहा किसी ने भी उनका स्थानांतरण करने की हिम्मत नहीं जुटाई, क्या 26 साल इसीलिए दिया गया कि वह महाविद्यालय में जमकर अनियमितता फैला सके भ्रष्टाचार कर सके? क्या 3 साल वाली पॉलिसी उनके लिए खत्म कर दी गई तमाम तरह के सवाल है पर इस सवाल का जवाब शायद उच्च शिक्षा विभाग में बैठे जिम्मेदार भी ना दे पाए।

## शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य की वित्तीय अनियमितता सामने आई है...

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य की वित्तीय अनियमितता सामने आई है,सूचना के अधिकार के तहत मिले कैश बुक में इतनी अनियमिताएं हैं कि उसकी जांच हो जाए तो कार्यवाही होना तय है, वित्तीय अनियमितताओं में यह भी देखा गया कि कैश बुक में तीन-चार साल से बैंक/ट्रेजरी टोटल ही नहीं हुआ है,क्या सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य के पास कैलकुलेटर नहीं था जिस वजह से वह टोटल नहीं कर पाए? सूत्रों का यह भी कहना है कि कैश बुक सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य ही रखते थे और स्वयं ही भरते थे, क्या यह काम भी प्रभारी प्राचार्य का है या फिर कार्यालय के किसी बाबू का? क्या प्रभारी प्राचार्य का काम भी है कैश बुक लिखना? कैश बुक में इतना कटपिट है कि ऐसा लग रहा है कि कैश बुक में फर्जीवाड़ा करने का प्रयास किया गया है,सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि 6 सालों में कैश बुक का ऑडिट नहीं करवाया गया और ना ही उच्च शिक्षा विभाग ने इसकी ऑडिट रिपोर्ट इनसे मांगी ही है,जबकि ऑडिट रिपोर्ट हर साल होना अनिवार्य है 6-7 सालों तक ऑडिट रिपोर्ट क्यों नहीं करवाई गई यह भी बड़ा सवाल है,कहीं ना कहीं कैश बुक को देखकर यह आभास होता है कि इस कैश बुक में काफी झोलझाल है यदि इस कैश बुक की जांच सूक्ष्मता से हो जाए तो वित्तीय अनियमितता जरूर मिलेगी।

## 26 साल एक ही जगह पर पदस्थ होकर इन्होंने उच्च शिक्षा विभाग को ठेंगा दिखाया?

ट्रांसफर नीति भी इसीलिए बनी है कि कोई भी एक जगह पर बैठकर अनियमितता न फैला सके इसलिए ऐसे पदों पर 3 साल से अधिक नहीं रखा जाता है किसी को भी, पर सवाल यह उठता है कि आखिर 26 साल एक ही जगह एक ही कॉलेज में अखिलेश चंद्र गुप्ता को कैसे रहने की अनुमति मिली? वह भी वहां पर जहां पर वित्तीय अनियमितता का खतरा रहता हो। देखा जाए तो अखिलेश चंद गुप्ता अपने पहुंच पकड़ से उच्च शिक्षा विभाग को भी ठेंगा ही दिखाए, कोई भी उनका स्थानांतरण नहीं कर पाया सरकार कांग्रेस की रही हो या फिर भाजपा की सभी के कार्यकाल में उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा,सेवानिवृत होने के बाद उनकी वही आदत देखने को मिली कि उनसे बड़ा कोई नहीं है, महाविद्यालय में गए और अनाधिकृत होने के बावजूद भी अपने सामने खड़े होकर कर्मचारियों से ही दस्तावेज आग के हवाले करवा दिया पर किसी में हिम्मत नहीं है की कार्यवाही कर सके? देखा जाए तो उच्च शिक्षा विभाग को भी वह कुछ नहीं समझते हैं यह साफ है।

## भ्रष्टाचार से जुड़े कुछ सवाल

सवाल-पीडी कैश बुक एवं जनभागीदारी कैश बुक महाविद्यालय में लिपिक होने के बाद भी प्राचार्य डॉ. अखिलेश चंद्र गुप्ता खुद अपने पास रखते थे और स्वयं कैश बुक को लिखते थे?

सवाल-अब महाविद्यालय का प्राचार्य ही यदि कैश बुक लिखेगा तो फिर लिपिक का वहां पर क्या काम है?

सवाल-क्या ऐसा वित्तीय अनियमितता करने के लिए किया गया था?

सवाल- कैश बुक में यह भी देखा गया कि लगभग 4 वर्षों से कैश बुक में बैंक व ट्रेजरी टोटल नहीं है, क्या टोटल करने के लिए उनके पास कैलकुलेटर उपलब्ध नहीं था या फिर टोटल करना नहीं चाह रहे थे?

सवाल-सीधे सेवानिवृत्त होने के बाद ही वह टोटल होगा और सेवानिवृत होने के बाद भी टोटल नहीं हुआ और अब उसके लिए अनुमति क्यों मांगी जा रही है?

सवाल- जब आपको पता था कि आपकी सेवानिवृत्ति की तिथि क्या है फिर भी आपने सेवानिवृत्ति के अंतिम महीने में भी ना तो कैश बुक का ऑडिट कराया और ना ही अपने ट्रेजरी बैंक का टोटल कराया और कैश बुक आखिर यह क्यों लिख रहे थे यह सबसे बड़ा सवाल है उच्च शिक्षा विभाग के लिए?

## कैश बुक की कमियों की झलकः-

कमी :-पी.डी. कैश बुक एवं जनभागीदारी कैश बुक महाविद्यालय में लिपिक होने के बाद भी प्राचार्य डॉ0 ए0 सी0 गुप्ता बिल एवं कैश बुक को खुद अपने पास रखते थे एवं कैश बुक को भी खुद ही लिखते थे...

कमी :- विगत् 04 वर्षो से कैश बुक में बैंक/ ट्रेजरी टोटल नहीं है...

कमी :-यदि राशि कैश बुक नगद में वृद्धि हुई है तो कैश बुक में नगद राशि कहां से आई है यह पता नहीं चल रहा है क्योंकि बैंक/ ट्रेजरी क्लोजिंग नहीं है।

कमी :-31.01.2025 को सेवानिवृत्त हुए तब भी कैश बुक कम्पलीट नहीं था...

कमी :- छःह माह बाद जब अपर संचालक अम्बिकापुर के उपस्थिति में दिनांक 28.06.2025 को प्रभार दिए तब भी कैश बुक कम्पलीट नहीं है...

कमी :- जगह- जगह हस्ताक्षर क्यों छोड़े गए...

कमी :- जगह-जगह कटिंग कर आंकड़ों से छेड़छाड़ की गई है। यदि कही सुधार होता है तो वहां लघु हस्ताक्षर होना चाहिए लेकिन ऐसा कुछ नहीं है...

कमी :-टोटल का न होना यह प्रदर्शित करता है कि शायद पूर्व प्रभारी प्राचार्य आंकड़ों को बदलना चाह रहे थे...

कमी :- उक्त कार्य वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है।

कमी :- 2019 के बाद से ऑडिट नहीं...

## कैशबुक में अनियमितताओं के आरोप, प्रधानमंत्री कार्यालय तक हुई शिकायत

डॉ अखिलेश चन्द्र गुप्ता,पूर्व प्रभारी प्राचार्य शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर,जिला-कोरिया (छ.ग.) द्वारा सेवाकाल के दौरान किए गए अनियमिताओं की जांच कराने एवं उचित कार्यवाही किए जाने की शिकायत पीएमओ तक चली गई है, शिकायतकर्ता ने शिकायत पत्र में लिखा है की डॉ0 अखिलेश चन्द्र गुप्ता पूर्व प्रभारी प्राचार्य जो कि शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.) में लगभग 26 वर्षों तक प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहे। सूचना के अधिकार के तहत् जो जानकारी प्राप्त हुई है उसमें उनके पी.डी. कैशबुक में लगभग 04 वर्षो से योग नहीं किया गया है,जो कि वित्तीय अनियमितता के अन्तर्गत आता है। उसकी जांच किया जाना न्यायसंगत होगा। डॉ. गुप्ता के कार्यकाल में कैशबुक में काफी ज्यादा आंकड़ों में कटिंग की गई है और कही कही पर तो पूरा का पूरा पेज ही कैन्सिल कर दिया गया है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि पेज कैन्सिल करने के उपरान्त अथवा आंकड़े बदलने के उपरान्त कही पर भी लघु हस्ताक्षर नहीं है। शासन के नियमानुसार कैशबुक,बिल व्हाउचर,स्टॉक रजिस्टर आदि लिपिक के प्रभार में होना चाहिए था,ताकि लिपिक से त्रुटि होने पर प्राचार्य द्वारा कार्यवाही की जा सकती है,किन्तु डॉ. गुप्ता कैशबुक स्वयं लिखते थे, ऐसे में यदि त्रुटि होगी तो किसके द्वारा कार्यवाही की जाएगी। कैश बुक में काफी त्रुटियां है, जिस पर कार्यवाही किया जाना नितान्त आवश्यक है। डॉ. गुप्ता की पत्नी डॉ. प्रीति गुप्ता भी उसी महाविद्यालय में विगत् 20 वर्षों से सहायक प्राध्यापक एवं वर्तमान में नवीन शासकीय महाविद्यालय पोडी बचरा की प्रभारी प्राचार्य भी है, डॉ. प्रीति गुप्ता को प्रभारी प्राचार्य के पद से हटाकर पोड़ी बचरा महाविद्यालय की भी जांच कराई जाए। क्रीड़ा एवं प्रयोगशाला सामग्री खरीदी में भी काफी अनियमितता की गई है,स्टॉक रजिस्टर व बिल का मिलान कराने पर सत्यता सामने आ जाएगी। सेवानिवृत्त वाले माह जनवरी 2025 में डॉ गुप्ता द्वारा लगभग 40 लाख रूपये की खरीदी की गई है। जब भी कोई नवीन महाविद्यालय प्रारम्भ होता था तो उसका प्रभार डॉ. गुप्ता को ही प्रदाय किया जाता था,उसके बाद इनके द्वारा सिर्फ क्रय का खेल खेला जाता है। नवीन महाविद्यालय नागपुर,पटना महाविद्यालय एवं नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में,जहां स्वयं का भवन नहीं है एवं मात्र दो से तीन कमरों में महाविद्यालय संचालित है,वहां भी लाखों रूपये की क्रीड़ा, लैब एवं फर्नीचर की खरीदी की गई है। डॉ0 गुप्ता द्वारा क्रीड़ा एवं लैब की सामग्री को बहुत जल्दी अपलेखित कर दिया जाता था, क्रीड़ा सामग्री में तो सामग्री क्लोजिंग के बाद डॉ0 गुप्ता द्वारा अपने हाथ से स्टॉक बैक डेट में आगे नए पेज में चढ़ाया गया है। जो कि नियम के अनुकूल नहीं है। पोड़ी बचरा,नागपुर एवं बैकुण्ठपुर में भी लाखों रूपये की मजदूरी निकाली गई है। मजदूरी में कार्य किए गए लोगों का मस्टर रोल अथवा उपस्थिति रजिस्टर के नाम पर महाविद्यालय में कोई भी रिकार्ड नहीं है। जिससे स्पष्ट होता है कि मजदूरी पूरी तरह फर्जी तरीके से निकाली गई है। मनरेगा एवं सभी कार्यालयों में मजदूरी का भी भुगतान ऑन लाईन मजदूर के खाते में किया जाता है, लेकिन डॉ. गुप्ता के द्वारा अपने महाविद्यालय की लाखों रूपये की मजदूरी भुगतान अपने खाते में लेकर नगद भुगतान दिखाया गया है। शासन के नियमानुसार 5000 से अधिक का भुगतान वेण्डर के माध्यम से होता है लेकिन डॉ. गुप्ता के द्वारा रू. 1,50,000 तक का भुगतान अपने खाते में लेकर निकाला गया है। बिलों में कोई पावती भी नहीं है, जिससे ऐसा लगता है कि शायद दुकानदारों को भुगतान नहीं किया गया है, कोरिया जिला बाकी जिलों की तुलना में काफी छोटा जिला है,लगभग डेढ़ ब्लॉक का जिला है। ऐसे में इस छोटे से जिले के उन सभी कॉलेजों में जिनमें डॉ. गुप्ता रहे है वहां बहुत ज्यादा फण्ड आया है,इतना फण्ड तो राजधानी के महाविद्यालय में भी नहीं आता है। यह भी एक जांच का विषय है। डॉ अखिलेश चन्द्र गुप्ता के कार्यकाल की जांच के दौरान यदि वसूली होती है तो जीपीएफ एकमात्र है जिससे वसूली की जा सकती है,क्योंकि वर्तमान प्रभारी प्राचार्यों पर दबाव बनाकर अवकाश नगदीकरण,ग्रेज्युटी एवं जीआईएस का भुगतान करवा लिया गया है। डॉ. अखिलेश चन्द्र गुप्ता द्वारा जीपीएफ भुगतान हेतु प्रकरण बनवाकर भेजवाया गया है एवं जीपीएफ भुगतान हेतु महालेखाकार कार्यालय में जुगाड़ लगवाया जा रहा है।

CMYK

# आरसीबी ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी 25-25 लाख की राहत राशि

**नई दिल्ली,30 अगस्त (ए)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह 4 जून को हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता राशि देगी।

फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर लिखा,4 जून 2025 को हमारे दिल टूट गए। हमने अपने आरसीबी परिवार के 11 सदस्यों को खो दिया। वे हमारे समुदाय, हमारे शहर और हमारी टीम का हिस्सा थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। कोई भी मदद उस जगह को भर नहीं सकती, लेकिन शुरुआती कदम के तौर पर आरसीबी ने प्रत्येक परिवार को 25 लाख दिए हैं। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि करुणा, एकजुटता और देखभाल का वादा है। आरसीबी ने साथ ही 'आरसीबी केयर्स' पहल की शुरुआत की घोषणा की, जिसके तहत पीड़ितों की स्मृति को सम्मानित करते हुए लंबे समय तक सार्थक कार्य किए जाएंगे। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने 18 साल बाद आईपीएल खिताब जीता था। इसके अगले दिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम और ओपन बस परेड में लाखों प्रशंसक उमड़ पड़े। हालांकि,करीब दो लाख लोगों की भारी भीड़ स्टेडियम की 32,000 की क्षमता पर हावी हो गई, जिससे गेट पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी मृतक 40 वर्ष से कम आयु के थे।

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिवारों के लिए 10 लाख की सरकारी सहायता की घोषणा की थी। वहीं, आरसीबी ने भी शुरुआती तौर पर 11 परिवारों को 10 लाख की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

# एशिया कप के मैचों का टाइम बदला

## 7:30 की बजाय 8 बजे से शुरू होगा, यूएई में गर्मी की वजह से किया गया बदलाव

**नई दिल्ली,30 अगस्त (ए)।** क्रिकेट एशिया कप 2025 के मैचों के शुरू होने का टाइम बदल दिया गया है। मुकाबले की शुरुआत अब शाम 7.30 बजे की जगह रात 8 बजे से होगी। यह फैसला यूएई में काफी गर्म कंडीशन को देखते हुए लिया गया है। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट इस बार टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को मिली है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के खराब संबंध के कारण यह न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा।

**ब्रॉडकास्टर्स ने मंजूरी दे दी :** सितंबर में जब यूएई में टूर्नामेंट खेला जाएगा। उस समय दिन के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और देर शाम तक ऐसे ही रहने की उम्मीद है। इतनी भीषण गर्मी में खेलने से बचने के लिए क्रिकेट बोर्ड्स ने मैचों के समय को

थोड़ा आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। ब्रॉडकास्टर्स से यह अनुरोध किया गया और उन्होंने बदलावों पर मंजूरी दे दी।

**भारत का पहला मैच यूएई से :** भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को एक ही ग्रुप में रखा गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को यूएई, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा। भारत और पाकिस्तान ने अगर सुपर-4 स्टेज में जगह बनाई तो दोनों टीमें फिर एक बार 21 सितंबर को आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा।

### भारत ने 8 बार जीता एशिया

कप एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

# राहुल द्रविड़ ने छोड़ा राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच का पद

**नई दिल्ली,30 अगस्त (ए)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। बता दें कि राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले द्रविड़ को अपने मुख्य कोच के रूप में दोबारा से नियुक्ति दी थी। हालांकि, संस्करण में टीम का प्रदर्शन खराब रहा और वह अंक तालिका में 9वें स्थान पर रही।

**राजस्थान रॉयल्स के साथ कैसा रहा है द्रविड़ का आईपीएल सफर :** द्रविड़ का आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ सफर काफी लंबा रहा है। वह आईपीएल 2012 और 2013 के संस्करण में बतौर खिलाड़ी राजस्थान रॉयल्स से जुड़े थे और टीम ने उन्हें कप्तान

नियुक्त किया था। उन्होंने 2014 और 2015 संस्करण में टीम निदेशक और मेंटर के पद की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

वर्तमान राजस्थान रॉयल्स कप्तान संजू सैमसन के साथ उनका पेशेवर रिश्ता अंडर-19 क्रिकेट के दिनों से है। हालांकि,अब द्रविड़ के इस्तीफ के साथ यह रिश्ता खत्म हो गया है।

**आईपीएल 2026 से पहले टीम छोड़ने वाले दूसरे कोच बने द्रविड़ :** द्रविड़ आईपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले किसी आईपीएल फ्रैंचाइजी को छोड़ने वाले दूसरे मुख्य कोच बन गए हैं। पिछले महीने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चंद्रकांत पंडित से अपना नाता तोड़ लिया था,जो आईपीएल 2023 से पहले टीम में शामिल हुए थे और केकेआर को 2024 का खिताब भी दिलाया था। इस तरह, वह आशीष नेहरा के बाद मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय कोच बने थे।

### राजस्थान रॉयल्स ने क्या जारी किया बयान

राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर राहुल के पद छोड़ने की जानकारी साझा की है। राजस्थान रॉयल्स ने लिखा, राजस्थान रॉयल्स घोषणा करती है कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2026 से पहले फ्रैंचाइजी के साथ अपना कार्यकाल समाप्त कर देंगे। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफर में केंद्रीय भूमिका में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मजबूत मूल्यों का निर्माण किया है और टीम की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

### द्रविड ने अस्वीकार किया राजस्थान रॉयल्स का प्रस्ताव

राजस्थान रॉयल्स ने आगे लिखा, फ्रैंचाइजी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत राहुल को एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइजी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स ने यह खुलासा नहीं किया है कि उसने द्रविड को किस पद की पेशकश की थी और अब इस पर चर्चा तेज हो गई है।

# पैट कमिंस न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर रहेंगे

**नई दिल्ली,30 अगस्त (ए)।** ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस कथित तौर पर आगामी न्यूजीलैंड दौरे पर खेली जाने वाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज से बाहर रहेंगे। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया घरेलू एशेज सीरीज से पहले उनकी फिटनेस को प्राथमिकता दे रहा है।

कोड स्पोर्ट्स के अनुसार, पिछले महीने वेस्टइंडीज दौरे से लौटने के बाद से कमिंस की पीठ में जकड़न महसूस कर रहे हैं। न्यूजीलैंड दौरे पर अनुपस्थित रहने के बावजूद कमिंस के अक्टूबर में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद है। पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से पहले वह न्यू साउथ वेल्स के लिए एक शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे। उनके साथी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने पुष्टि की है कि एशेज से पहले टेस्ट गेंदबाजों के लिए अलग-अलग कार्यक्रम होंगे और प्रत्येक गेंदबाज के कई शेफील्ड शील्ड मैच खेलने की उम्मीद है।

**चोटों से जूझ रहे हैं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज :** ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि 2025-26 की गर्मियों से पहले तेज गेंदबाज लांस मॉरिस, स्पेंसर जॉनसन और बेन ड्वार्शुइस चोटों से जूझ रहे हैं। इससे कमिंस, हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड पर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज के लिए फिट रहने का दबाव बढ़ गया है।

# सात्विक-चिराग की जोड़ी वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

## मलेशियाई जोड़ी से ओलिंपिक की हार का बदला लिया,मेडल भी पक्का

**नई दिल्ली, 30 अगस्त (ए)।** भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में मेडल पक्का कर दिया है। मेंस डबल्स में भारतीय जोड़ी ने शनिवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की जोड़ी आरोन चिया और सोह वुई यिक को 21-12, 21-19 से हराया। यह मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ सात्विक-चिराग की 15 मैचों में से केवल चौथी जीत है। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गई और मेडल भी पक्का कर लिया। यह पेरिस में चल रहे चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत का पहला मेडल है, जबकि इस जोड़ी का इस टूर्नामेंट में दूसरा

मेडल है। सात्विक-चिराग ने 2022 के सीजन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। तब यह जोड़ी सेमीफाइनल में इसी मलेशियाई जोड़ी से हारकर बाहर हुई थी।

**पेरिस ओलिंपिक की हार का बदला लिया :** इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने न केवल अपनी पेरिस ओलिंपिक 2024 क्वार्टर फाइनल हार का बदला लिया, बल्कि इस टूर्नामेंट में 2011 से अब तक हर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के मेडल जीतने की परंपरा भी कायम रखी। वर्ल्ड रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। पहले गेम में लंबी और फ्लैट रैलियों में अंक हासिल करते हुए उन्होंने 11-6 की बढ़त बना ली। मलेशियाई जोड़ी इस अंतर को पाटने में नाकाम रही और सात्विक-चिराग ने पहला गेम आसानी से 21-12 से जीत लिया।

**दूसरे गेम में बैकहैंड पर नेट में फंसे मलेशियाई शटलर :** दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और मलेशियाई जोड़ी को बैक कोर्ट में धकेल दिया। सोह वुई यिक कई बार बैकहैंड पर नेट में फंस गए, जिससे भारतीय जोड़ी को फायदा हुआ। मध्य-गेम अंतराल तक सात्विक और चिराग 17-11 से आगे थे,लेकिन इसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और फ्लैट शॉट्स और नेट के पास खेलकर स्कोर को 19-19 पर बराबर कर दिया। भारतीय जोड़ी ने दबाव में शानदार खेल दिखाया और आखिरी के निर्णायक अंक जीतकर गेम 21-19 से अपने नाम किया।

# यूएस ओपन 2025 : टेलर फ्रिट्ज, एड्रियन मन्नारिनो और टेलर टाउनसेंड का शानदार प्रदर्शन जारी,अंतिम 16 में बनाई जगह

**नई दिल्ली,30 अगस्त (ए)।** विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज, फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो और अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी टेलर टाउनसेंड ने शानदार प्रदर्शन कर अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में टेलर फ्रिट्ज ने करीब तीन घंटे तक चले मुकाबले में स्विस क्वालीफायर जेरोम किम पर 7-6(3), 6-7(9), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। फ्रिट्ज का अगले दौर में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से मुकाबला होगा। मैच के बाद फ्रिट्ज ने कहा, यह आसान नहीं था। जेरोम बिना किसी डर के खेले और मुझे कड़ी टक्कर दी, खासकर पहले दो सेटों में। मैंने बस आक्रामक बने रहने और अपनी सर्विस पर भरोसा रखने पर ध्यान केंद्रित किया। न्यूयॉर्क के दर्शकों ने मुझे जरूरत पड़ने पर भरपूर प्रोत्साहन दिया। वहीं एक अन्य मैच में छठे वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन का यूएस ओपन में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया जब वह फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो के खिलाफ तीसरे दौर के मुकाबले के दौरान चोटिल होकर मैच से हट गए। उस समय मैच दो-दो सेटों के अंतर से बराबरी पर था। इस महीने की शुरुआत में टोरंटो में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले शेल्टन को चौथे सेट की शुरुआत में ही बाएं कंधे में तेज दर्द होने लगा। मेडिकल टाइमआउट और कई स्पष्ट परेशानी के संकेतों के बाद, 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 6-3, 3-6, 6-4, 4-6 से हार मान ली। शेल्टन के करियर में पहली बार उन्होंने टूर स्तर पर ऐसा किया है। अपने पिता और कोच ब्रायन शेल्टन की मैच से हटने सलाह मानने से पहले, शेल्टन ने अपने बॉक्स से कहा, यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बुरा दर्द था। वहीं महिला एकल वर्ग के मैच में टेलर टाउनसेंड ने बेबाक टेनिस का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की रूसी खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

# केकेआर के पूर्व कप्तान से भिड़ने पर दिग्वेश राठी पर लगा भारी भरकम जुर्माना

**नई दिल्ली, 30 अगस्त (ए)।** दिल्ली प्रीमियर लीग में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला गया था। इस मुकाबले में जहां लायंस के कप्तान ने चौकों-छक्कों की झड़ी लगाते हुए लीग का सबसे तेज शतक जड़ते हुए सभी का ध्यान अपनी और खींचा। वहीं, मैच के बीच खिलाड़ियों की भिड़ंत भी चर्चा का विषय रही। दिग्वेश राठी जहां नितीश राणा से भिड़ते नजर आए तो दूसरी ओर कृष यादव और अमन भारती की सुमित माथुर से भिड़ंत हो गई। मैच के दौरान खिलाड़ियों के आपसी दुर्व्यवहार आचार संहिता के उल्लंघन को देखते हुए डीपीएल ने बयान जारी करते हुए सभी पांचों प्लेयर को सजा सुनाते हुए भारी भरकम जुर्माना लगाया है।

**अमन भारती पर मैच फीस का 30% जुर्माना :** इसी तरह अमन भारती को अनुच्छेद 2.3 (स्तर 1) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाते हुए मैच फीस का 30% जुर्माना लगाया गया है। मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लील भाषा का प्रयोग।

**सुमित माथुर पर मैच फीस का 50% जुर्माना :** वहीं, सुमित माथुर को अनुच्छेद 2.5 (स्तर 1) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाते हुए उन पर मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया है। ऐसी भाषा, क्रिया या हावभाव का इस्तेमाल करना, जो किसी अन्य खिलाड़ी की आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़का सकती हो।

**कृष यादव मैच फीस का 100% जुर्माना :** कृष यादव पर मैच के दौरान विपक्षी टीम के खिलाड़ी की ओर से गाली-गलौज करने और खिलाड़ी पर बल्ला तानने के बाद अश्लील भाषा का इस्तेमाल के लिए अनुच्छेद 2.3 (स्तर 2) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है।

### दिग्वेश राठी पर मैच फीस का 80 फीसदी जुर्माना

डीपीएल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, खेल भावना के विपरीत आचरण के लिए सुपरस्टार्स के स्पिन गेंदबाज दिग्वेश राठी को अनुच्छेद 2.2 (स्तर 2) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर मैच फीस का 80 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

### नीतीश राणा पर मैच फीस का 50% जुर्माना

वहीं, लायंस के कप्तान नीतीश राणा को अनुच्छेद 2.6 (स्तर 1) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर मैच फीस का 50% जुर्माना ठोका गया है। मैच के दौरान अश्लील, आपत्तिजनक या अपमानजनक हावभाव का इस्तेमाल करना।

# टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी 4' का ट्रेलर रिलीज

## फिल्म में हिंसा से भरपूर सीन, संजय दत्त बने विलेन

एक्टर टाइगर श्रॉफ की फिल्म बागी 4 का ट्रेलर शनिवार को रिलीज हुआ। इस फिल्म से डायरेक्टर ए. हर्षा बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। वह साउथ सिनेमा में शिवा राजकुमार और पुनीत राजकुमार के साथ काम कर चुके हैं। ट्रेलर लॉन्च होने के बाद यह सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। यूट्यूब ने इसे इनएप्रोप्रिएट फॉर सम यूजर्स बताया। प्लेटफॉर्म ने कहा कि इसमें हिंसक विजुअल्स यादा हैं। ट्रेलर में हिंसा को देखते हुए, शुरुआत में ही रिस्ट्रिक्टेड वायलेंस का लोगो नजर आता है। इसके बाद टाइगर की एंट्री होती है। वह हाथ में बड़ा चाकू लिए दिखाई देते हैं। वॉइस ओवर में कहा गया है, मोहब्बत की कहानियां तो बहुत सुनी थीं, लेकिन ऐसी एक्शन पैक लव स्टोरी जिंदगी में पहले बार देखी। रोमियो, मजनूं और रांझा सब

को एक बागी ने फेल कर दिया। एक सीन में टाइगर से पूछा जाता है, क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? इस पर वह जवाब देते हैं, दिमाग नहीं, दिल। इसके बाद कहानी में मनोवैज्ञानिक ट्विस्ट की झलक मिलती है। श्रेयस तलपड़े का किरदार कहता है, अलीशा तो सिर्फ इसके दिमाग में है। फिल्म की कहानी में टाइगर एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी पार्टनर अलीशा की मौत का बदला लेता है। फ्लैशबैक में वह नेवी ऑफिसर की यूनिफॉर्म में नजर आते हैं, लेकिन पार्टनर की मौत उन्हें बदले की राह पर ले जाती है। संजय दत्त बने विलेन, किरदार का लुक चर्चा में संजय दत्त फिल्म में विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं। उनका किरदार एक किले में रहता है और उंगलियां काटने वाला हिंसक सीन करता है।

# एग फ्रीज कराना चाहती थीं सोहा अली खान : 35 की उम्र में डॉक्टर के पास पहुंची तो जवाब मिला- इसके लिए बूढ़ी हो चुकी हो...

एक्ट्रेस सोहा अली खान ने ऑल अबाउट हर पॉडकास्ट शुरू किया है। इसमें वो सरोगेसी, अडॉप्शन और बच्चे के जन्म से जुड़े मेडिकल, इमोशनल और सोशल पहलुओं पर चर्चा करती हैं। हाल ही में उनके पॉडकास्ट में एक्ट्रेस सनी लियोनी और फर्टिलिटी एक्सपर्ट डॉ. किरण कोएल्हो शामिल हुईं। इस पॉडकास्ट का एपिसोड शुक्रवार को रिलीज हुआ। पॉडकास्ट के दौरान सोहा ने बताया कि जब वह 35 साल की उम्र में एग्ज यानी अंडाणु फ्रीज करवाने डॉक्टर के पास गईं तो उन्हें कहा गया कि इसके लिए वह बूढ़ी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, मुझे याद है, मैं 35 साल की थी जब मैं गायनोकोलॉजिस्ट के पास गई और कहा कि मैं अपने अंडाणु फ्रीज करवाना चाहती हूं। डॉक्टर ने कहा - ये तो पहले से ही बहुत बूढ़े हो चुके हैं। मैंने कहा - सब लोग कहते हैं मैं बहुत जवान दिखती हूं। उन्होंने जवाब दिया-तुम्हारी ओवरी तुम्हारा चेहरा नहीं देख सकती। ये बात लंबे समय तक मेरे दिमाग में रही। सोहा ने आगे कहा कि अब कई भरोसेमंद फर्टिलिटी टेस्ट मौजूद हैं। इनमें एंटी-मुलरियन हार्मोन और पीरियड्स के दूसरे दिन किया जाने वाला एंट्रल फॉलिकल काउंट शामिल है। दोनों को मिलाकर आने वाले सालों में फर्टिलिटी का अनुमान लगाया जा सकता है। उनके अनुसार,आदर्श उम्र 28 से 34 साल के बीच है।

**सनी बोलीं-प्रेग्नेंसी नहीं चाहती थी, चुनी सरोगेसी :** बातचीत में सनी लियोनी ने भी अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि वह खुद प्रेग्नेंसी नहीं चाहती थीं और इस कारण सरोगेसी को चुना। सोहा की शादी कुणाल खेमू से हुई है। उनकी एक बेटी इनाया है। वहीं, सनी और उनके पति डेनियल वेबर के तीन बच्चे हैं। दोनों ने बेटी निशा को गोद लिया है, जबकि बेटे अशर और नोआ सरोगेसी से हुए। वर्कफ्रंट

की बात करें तो सोहा हाल ही में अमेजन प्राइम फिल्म छोरी 2 में नजर आई थीं। 2022 में वह जी5 की सीरीज कौन बनेगी शिखरवती और प्राइम वीडियो की सीरीज हश हश में भी दिखीं। बता दें कि सोहा ने 2004 में फिल्म दिल मांगे मोर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्हें रंग दे बसंती (2006) और आहिस्ता-आहिस्ता (2006) जैसी फिल्मों से पहचान मिली।

# जापान और दक्षिण कोरिया के सफल विदेश दौरे से वापस लौटे मुख्यमंत्री साय

## एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत,कर्मा-पंथी नृत्यों से सराबोर रहा एयरपोर्ट परिसर

**रायपुर,30 अगस्त 2025।** अपनी आठ दिन के जापान और दक्षिण कोरिया के विदेश दौरे के बाद आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय वापस रायपुर लौटे हैं। श्री साय के वापस लौटने पर आज एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कर्मा और पंथी नृत्यों से पूरा एयरपोर्ट परिसर लगभग एक घंटे तक सराबोर रहा। लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने मुख्यमंत्री श्री साय की लोकप्रियता और उनके विदेश दौरे की सफलता को स्वयं ही बयां कर दिया। मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छों से लेकर गजमाला तक से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट के निकास द्वार से मीडिया गैलेरी तक लगभग 100 मीटर की दूरी तय करने में श्री साय को लगभग 15 मिनट लगे। इस दौरान लोगों ने पुष्प वर्षा से भी श्री साय का स्वागत किया। बाद में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित किया और इस भव्य स्वागत के लिए सभी का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान और दक्षिण कोरिया दोनों ही देशों में बड़ा भारतीय समुदाय बसा हुआ है और हमारे छत्तीसगढ़ के लोग भी वहां पर व्यापारिक कार्यों में लगे हुए हैं। उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ और यह लगा ही नहीं कि हम परदेश में हैं। उन्होंने कहा कि हमारे उद्यमी, हमारे कारोबारी पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और भारत भूमि का नाम हर तरफ रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान के ओसाका शहर में वर्ल्ड एक्सपो में हमारे राज्य ने अपना पवेलियन बनाया था। इस पवेलियन में हर दिन 30 हजार से अधिक लोग पहुंचे। श्री साय ने बताया कि इस एक्सपो में छत्तीसगढ़ की औद्योगिक स्थिति के बारे में,निवेश की संभावनाओं के बारे में तथा संस्कृति के बारे में लोगों ने विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने गर्व से बताया कि ओसाका एक्सपो में छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य रहा, जिसने अपनी पूरी जानकारी जापानी भाषा में दी,जिससे हमें अपनी बातों को जापानी निवेशकों तक समझाने में पूरी तरह से सफलता मिली। मुख्यमंत्री श्री साय ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहली बार दक्षिण कोरिया में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधि मंडल गया। कोरिया में भी छत्तीसगढ़ के बारे में पूरी बातें कोरियन भाषा में कही। इससे निवेशकों से कनेक्ट करने में मदद मिली। श्री साय ने बताया कि दक्षिण कोरिया में आईसीसीके के साथएमओयू हुआ। आईसीसीके छत्तीसगढ़ के नॉलेज पार्टनर बनेंगे। इससे राज्य की नई औद्योगिक नीति के तहत आने वाले उद्योगों के लिए स्किल मैन पावर उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।

### इस दौरे से छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश और विकास के रास्ते खुलेंगे

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा सफल रही है। इस यात्रा से छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश और औद्योगिक विकास के रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की जापान यात्रा के दौरान यह तय हुआ है कि भारत में जापान 6 लाख करोड़ रूपए का निवेश करेगा और 10 साल का आर्थिक रोड मैप तैयार किया गया है। इसका बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ को भी मिलेगा। भारत और जापार के बीच हुए समझौतों से प्रदेश में एआई, सेमीकंडक्टर और रक्षा क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बढ़ने से रोजगार के बड़े अवसर छत्तीसगढ़ के युवाओं को मिलेंगे।

### जापान और कोरिया से एआई, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की सहमति

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान जापान और कोरिया दोनों ही देशों से छत्तीसगढ़ में निवेश के संबंध में चर्चा की गई और एआई, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल,खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की सहमति बनी है। इसके साथ ही कई औद्योगिक संस्थानों से छत्तीसगढ़ में निवेश प्रस्ताव भी मिले हैं। इन निवेश प्रस्तावों से बड़ी संख्या में हमारे युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरे पर जापान और दक्षिण कोरिया के व्यापार संगठन के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की गई। दोनों ही देशों के प्रतिनिधियों ने व्यापार बढ़ाने को लेकर और निवेश बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि दोनों ही देशों के व्यापार संगठनों को छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के बारे में बताया और इसके अनुदान प्रावधानों से उन्हें अवगत कराया गया।

### एसीबी की बड़ी कार्रवाई

## आबकारी एसआई संतोष नारंग रिश्वत लेते गिरफ्तार

**रायगढ़,30 अगस्त 2025।** छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए एसीबी-ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) की टीम लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में शनिवार को रायगढ़ जिले से बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एसीबी की टीम ने आबकारी विभाग के उप निरीक्षक संतोष कुमार नारंग को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पूरा मामला 20 अगस्त 2025 से जुड़ा है। उस दिन धर्मजयगढ़ निवासी सुनीत टोप्पो ने एसीबी इकाई बिलासपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 19 अगस्त को उप निरीक्षक नारंग ग्राम पंडरी महुआ पहुंचे और शिकायतकर्ता के घर पर अवैध शराब बनाने का आरोप लगाया। इस दौरान नारंग ने उसकी मां से भी कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए। शिकायतकर्ता का आरोप था कि नारंग ने कड़ी कार्रवाई से बचाने के नाम पर उससे 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इस पर सुनीत टोप्पो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होने का निश्चय किया और सीधे एसीबी से संपर्क किया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसीबी ने तुरंत सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की। प्राथमिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर एसीबी टीम ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई। निर्धारित योजना के तहत, 30 अगस्त 2025 शनिवार को शिकायतकर्ता सुनीत टोप्पो को तय राशि लेकर खरसिया स्थित आबकारी कार्यालय भेजा गया। यहां जैसे ही आरोपी उप निरीक्षक संतोष नारंग ने 50 हजार रुपए की रिश्वत ली, पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा।

## शिक्षा मंत्री ने जारी किया 1222 प्राचार्यों का पदोन्नति आदेश

**रायपुर,30 अगस्त 2025।** छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा कदम उठाते हुए कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रभार संभालने के तुरंत बाद वह ऐतिहासिक फैसला लिया, जिसका शिक्षकों और प्राचार्यों को लंबे समय से इंतजार था। राज्य में पिछले 12 वर्षों से लंबित प्राचार्यों की पदोन्नति संबंधी आदेश आखिरकार जारी कर दिए गए हैं। इस आदेश से प्रदेशभर में कार्यरत 1222 प्राचार्यों को लाभ मिलेगा। पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद छत्तीसगढ़ प्राचार्य पदोन्नति फोरम का प्रतिनिधि मंडल मंत्री गजेंद्र यादव से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट करने पहुंचा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री का आभार व्यक्त किया और इसे शिक्षा जगत के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताया। मंत्री गजेंद्र यादव ने इस अवसर पर कहा कि, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणाममूलक बनाया जाए। हमारा उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ियों को उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

## बिना हेलमेट नहीं दी पेट्रोल तो पंप मालिक को मार दी गोली,बड़ी घटना

**भिंड,30 अगस्त 2025(ए)।** मध्य प्रदेश के भिंड जिले में पेट्रोल पंप पर फायरिंग की घटना सामने आई है। अपराधियों ने पेट्रोल पंप मालिक को कथित तौर पर इसलिए गोली मार दी कि उसने हेलमेट न होने पर फ्यूल देने से मना कर दिया था। इस गोलीकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल, घटना के बाद बरोही थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जानकारी सामने आई कि बरोही थाना क्षेत्र में स्थित सावित्री लोधी पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल न देने को लेकर विवाद हुआ था। असल में भिंड जिले के कलेक्टर की ओर से यह आदेश था कि वाहन चालक के पास हेलमेट न होने पर पेट्रोल न दिया जाए। इसी कारण से बिना हेलमेट पहने पेट्रोल देने से पंप कर्मचारियों ने मना कर दिया। हालांकि, बाइक सवार कुछ युवक इसको लेकर पेट्रोल पंप कर्मचारियों से भिड़ गए।

संवाद 45017/53

### रेशम कृषि मेला-सह-मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का आयोजन

## रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ को लाना है पहले पायदान पर : उपमुख्यमंत्री साव

**रायपुर,30 अगस्त 2025।** उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने रेशम कृषि मेला-सह-मेरा रेशम, मेरा अभिमान का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में रेशम उत्पादक किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में साव ने कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक मशीनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना, प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर हुए रेशम उत्पादन से जोड़ना ही नहीं है, बल्कि आमदनी बढ़ाना, आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश को आर्थिक प्रगति की राह में आगे ले जाना भी है। अभी रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे नंबर पर है, इसे पहले पायदान पर लेकर जाना है। साव ने इस आयोजन को मील का पत्थर बताते हुए इसमें सभी की सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने किसानों के प्रशिक्षण तथा मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम की प्रगति के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास से एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। कोरबा के पाली विकासखंड में केंद्रीय रेशम बोर्ड- बुनियादी बीज का प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में केरेबो-बुनियादी टसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री साव ने रेशम उत्पादन को आमदनी का प्रमुख स्रोत बताते हुए कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। किसान जितने सक्षम होते जाएंगे, हमारा प्रदेश और देश भी उतना ही सक्षम होगा। इस अभियान से किसानों को प्रशिक्षण की सुविधा मिलने के साथ ही रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साव ने रेशम उत्पादन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की बात कही। इसके लिए रेशम विभाग से जुड़े अधिकारियों को कार्यालय आकर समस्याओं को चिन्हित कराने को कहा। उप मुख्यमंत्री साव और अन्य अतिथियों ने मेरा रेशम, मेरा अभिमान के पोस्टर का विमोचन भी किया। उन्होंने रेशम कृषि मेले में लगे स्टॉल्स का अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हमारे जिले में बड़ी मात्रा में रेशम का उत्पादन होता है। यह रेशम कीमती होने के साथ ही किसानों के आय का प्रमुख जरिया भी है। रेशम उत्पादन से बहुत से लोगों को रोजगार भी मिला है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दोगुनी हो, ऐसे में स्थानीय किसानों को इससे जुड़कर आमदनी अर्जित करना होगा। पाली-तानाखार के विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि कोरबा की पहचान पहले से ही रेशम के पटल पर विश्व विख्यात है। यहाँ से बड़ी संख्या में किसान जुड़े हुए हैं। मेरा रेशम, मेरा अभिमान स्थानीय किसानों के लिए लाभदायक होगा।

## डीजे संचालकों का हंगामा : डिप्टी सीएम के बंगले का किया घेराव, मौके पर पहुंचे एसएसपी

**बिलासपुर,30 अगस्त 2025।** छत्तीसगढ़ में बिलासपुर हाईकोर्ट की ओर से डीजे पर सख्ती के आदेश और प्रशासन की कार्रवाई से नाराज डीजे संचालकों ने उप मुख्यमंत्री अरूण साव के बंगले का घेराव किया है। नाराज डीजे संचालकों ने इस दौरान जमकर हंगामा किया। हंगामे की जानकारी मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह मौके पर पहुंचे और संचालकों को समझाइश देते हुए हंगामे को शांत कराया। एसएसपी ने संचालकों का आश्वासन देते हुए 1 सितंबर को बातचीत करने का भरोसा दिलाया। जानकारी के मुताबिक, डीजे संचालकों ने कर्ज लेकर महंगे साउंड सिस्टम सहित अन्य उपकरणों की खरीदारी की है। हर महीने कर्ज की किस्त बैंक को चुकानी पड़ती है। ऐसे में संचालकों का कहना है कि, अगर इसी तरह के हालात रहे परिवार चलाना भी मुश्किल हो जाएगा। इसी के चलते डीजे संचालकों ने बिलासपुर स्थित डिप्टी सीएम अरुण साव के निवास का घेराव किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में संचालक मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि, हंगामे के वक्त उपमुख्यमंत्री अपने बंगले में मौजूद नहीं थे।

**पुलिस को दी गई हंगामे की जानकारी :** बंगले में मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह मौके पर पहुंचे और संचालकों से बातचीत कर उन्हें समझाइश दी। इस दौरान एसएसपी रजनेश सिंह ने डीजे संचालक संघ के पदाधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने इस तरह से बिना अनुमति डिप्टी सीएम का बंगला घेरने पर नाराजगी जताई। साथ ही कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। वहीं, डीजे संचालकों ने उन्हें अपनी समस्याएं बताते हुए अपनी व्यवसायिक समस्या का हल निकालने का आग्रह किया। हालांकि, एसएसपी सिंह ने उनकी बातों को सुनने के बाद एक सितंबर को संघ के पदाधिकारियों की बैठक लेकर उनकी समस्या का समाधान निकालने का भरोसा दिलाया।

## नगर पंचायत अध्यक्ष गिरफ्तार,महिला ने की थी छेड़खानी करने की शिकायत

**महासमुंद,30 अगस्त 2025।** जिले के तुमगांव पुलिस ने नगर पंचायत तुमगांव के अध्यक्ष बलराम कांत साहू को उनके घर से सुबह - सुबह हिरासत में लेकर थाना लाई। अध्यक्ष को उनके घर से पुलिस द्वारा हिरासत मे लिये जाने के बाद उनके समर्थको ने थाना को घेर लिया और जमकर नारे बाजी की और नगर को बंद करा दिया। अध्यक्ष की पत्नी ने बताया कि सुबह सुबह पुलिस आई और उन्हे जबरदस्ती हिरासत में लेकर चली गयी। पूछने पर बताया कि छेड़खानी का आरोप है। अध्यक्ष ने 29 अगस्त को तुमगांव मे अवैध शराब एवं देह व्यापार धंधे को बंद करने के लिए आवेदन दिया था। इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि प्रार्थिया महिला ने बलराम कांत साहू द्वारा छेड़छाड़ किये जाने की लिखित शिकायत थाने में की है। शिकायत के आधार पर आज सुबह बलराम कांत साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और महिला की शिकायत पर इनके विरुद्ध बी एन एस की धारा 351(3),296,74 , 75(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

## पेट्रोल टैंकर पलटने से भीषण आग बाइक सवार व ड्राइवर घायल

**बलौदाबाजार,30 अगस्त 2025।** छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले के पलारी ब्लॉक में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। ओडान सेमरिया गांव के पास पेट्रोल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और देखते ही देखते उसमें विस्फोट के साथ आग लग गई। इस घटना में टैंकर चालक और बाइक सवार युवक घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे बड़ी जनहानि टल गई।

**हादसे का सिलसिला बाइक को बचाने से शुरू :** जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर एक बाइक सवार युवक ओडान सेमरिया मार्ग से गुजर रहा था। उसी समय सामने से आ रहा पेट्रोल टैंकर तेज गति में था। ड्राइवर ने बाइक सवार को बचाने की कोशिश की,लेकिन इसी दौरान टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। पलटते ही टैंकर से जोरदार धमाका हुआ और आग की लपटें आसमान छूने लगीं। आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर पलटते ही आग इतनी तेजी से भड़की कि मीलों दूर से काला धुआं उठता दिखाई दे रहा था। आग की लपटें ऊंचाई तक उठने से आसपास का पूरा इलाका दहशत में आ गया। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। हादसे के दौरान टैंकर चालक ने किसी तरह बाहर कूदकर अपनी जान बचाई, हालांकि वह घायल हो गया। वहीं बाइक सवार युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

## बस्तर में भारी भूस्खलन,सरगीगुड़ा पहाड़ समतल,जनहानि नहीं

**जगदलपुर,30 अगस्त 2025।** बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक में लगातार हो रही भारी बारिश से सरगीगुड़ा गांव के पास बड़ा भूस्खलन हुआ। बुधवार को हुई इस घटना में सरगीगुड़ा पहाड़ का लगभग 500 मीटर ऊंचा हिस्सा बहकर समतल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार पहाड़ टूटकर बड़े-बड़े पत्थर नीचे गिरने लगे लेकिन गांव की आबादी लगभग 300 मीटर दूर होने से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक सर्वे में पता चला कि लगभग 5 एकड़ क्षेत्रफल में फैला यह पहाड़ पूरी तरह समतल हो गया है।

**बास्तानार में भी भूस्खलन आवागमन प्रभावित :** लालगुड़ा पंचायत के सरगीगुड़ा के अलावा बास्तानार पहाड़ में भी भूस्खलन की घटना दर्ज हुई।

इससे कुछ समय तक आवागमन बाधित रहा हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। विभाग के कर्मचारी दोनों पहाड़ों का विस्तृत सर्वे कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार भारी बारिश से पहाड़ियों की मिट्टी और चट्टानें ढीली होकर नीचे खिसक रही हैं जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई।

### इतनी तेज बारिश पहले नहीं देखी

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने पहले कभी इतनी तेज बारिश नहीं देखी थी। बुधवार को मूसलधार बारिश के कारण सभी ग्रामीण अपने घरों में दुबके रहे। ग्रामीणों ने कहा कि यदि पहाड़ का मलबा गांव की दिशा में गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

### वन विभाग ने जारी की सतर्कता अपील

चित्रकोट उप वन मंडलाधिकारी योगेश कुमार रात्रे ने पर्यटकों और ग्रामीणों से अपील की है कि बरसात के दौरान पहाड़ी इलाकों में यात्रा करते समय सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)